mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-06 अंक-95 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
07 अप्रैल 2026
मंगलवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

पीएम बोले: असम में एनडीए की हैट्रिक होगी:कांग्रेस के पास विजन नहीं राहुल बोले- पुडुचेरी सरकार सभी कॉन्ट्रैक्ट में 30% कमीशन लेती है

नई दिल्ली/ तिरुवनंतपुरम/ गुवाहाटी/कोलकाता/चेन्नई,एजेंसी। पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव के प्रचार के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को असम पहुंचे हैं। उनकी आज 3 रैलियां हैं। बरपेटा में उन्होंने कहा कि असम में नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस की जीत की हैट्रिक लगेगी, कांग्रेस की हार की सेंचुरी होगी। बीजेपी जो कहती है करके दिखाती है। कांग्रेस के पास विकास का विजन नहीं है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी पुडुचेरी पहुंचे हैं। उन्होंने लॉस्पेट में कहा- पुडुचेरी सरकार सभी कॉन्ट्रैक्ट से 30% कमीशन लेती है। उसने मंदिर की जमीनों पर कब्जा कर लिया है। कांग्रेस सरकार यहां बेरोजगार युवाओं को हर महीने 2 हजार की मदद देगा। महिलाओं को फ्री बस सर्विस मिलेगी।

पीएम बोले- असम में गरीबों के लिए 22 लाख पक्के घर बनाए :पीएम ने कहा- होजाई शीतला माता की धरती है, और मां कामाख्या का पवित्र स्थल भी यहां से ज़्यादा दूर नहीं है। मैं इन दिव्य शक्तियों को नमन करता हूं और आज यहां मौजूद बड़ी संख्या में महिलाओं को एक बार फिर नमस्कार करता हूं। इस योजना के तहत असम में गरीबों के लिए 22 लाख पक्के घर बनाए गए हैं। ये घर हमारी माताओं और बहनों के हैं। जिन लोगों को अभी तक पीएम आवास योजना का लाभ नहीं मिला है, उन्हें भविष्य में जरूर मिलेगा, यह मोदी की गारंटी है। डबल इंजन सरकार ने हर नागरिक को बैंकिंग सिस्टम से जोड़ने का अभियान भी शुरू किया है।

मोदी बोले- भाजपा मंत्र नागरिक देवो भव है

पीएम नरेंद्र मोदी ने असम के होजई में कहा- BJP का मंत्र 'नागरिक देवो भव' है, और हम नागरिकों की सेवा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं जैसे वे भगवान हों, जिससे उनका जीवन आसान हो। आप आज ग्लोबल संकट देख रहे हैं, पश्चिम एशिया में युद्ध से दुनिया भर में उथल-पुथल मची हुई है। यहां तक कि सबसे अमीर देश भी मुश्किल हालात का सामना कर रहे हैं, और विकासशील देश भी संघर्ष कर रहे हैं। हालांकि, ऐसे मुश्किल समय में भी, BJP सरकार लोगों के हित में लगातार काम कर रही है। BJP-NDA सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि ग्लोबल संकटों का बोझ गरीबों, मिडिल क्लास या किसानों पर न पड़े। यह हमेशा हमारी प्राथमिकता रही है। COVID काल के दौरान भी, जब हर जगह परेशानी थी, हमने करोड़ों परिवारों को मुफ्त राशन देने की योजना शुरू की।

पीएम बोले- हमने धान के रेट बढ़ाए, आज किसान खुश

पीएम ने कहा कि देश के जिन एक दो राज्यों में उंगली पर गिन लो, उतने से भी कम, सिर्फ एक-दो राज्यों मं कांग्रेस की सरकारें बची हैं। वहां कांग्रेस जनता के बीच कभी अपना रिपोर्ट कार्ड लेकर नहीं जाती। जबकि बीजेपी जनता को बताती है कि जनता की सेवा के लिए क्या किया।

उन्होंने कहा कि मैं आपको इससे जुड़े कुछ आंकड़े बताना चाहता हूं। साल 2013 में जब केंद्र में कांग्रेस सरकार थी, तब धान का एमएसपी प्रति क्विंटल 1300 रुपए था। और आज धान का एमएसपी 2370 रुपए है। यानी धान किसानों की कमाई तेजी से बढ़ रही है।

आज भी, असम में लाखों परिवार इसका फायदा उठा रहे हैं। यह सुनिश्चित करने के लिए कि किसी भी जरूरतमंद परिवार को राशन के लिए भुगतान न करना पड़े, केंद्र सरकार मुफ्त अनाज देने पर लगभग 7 लाख करोड़ रुपये खर्च कर रही है। 'साफ है कांग्रेस कभी धान किसानों का भला नहीं कर सकती। कांग्रेस की सरकार तो किसानों का पैसा भी बिचौलियों पर लुटा देती थी। हमारी सरकरा किसानों का पैसा सीधे बैंकों में जमा करती है। किसान हित में ऐसे फैसलों की वजह से ही किसानों की पहली पसंद बीजेपी और एनडीए है।

राहुल गांधी ने महिलाओं को मुफ्त बस यात्रा और युवाओं को 2000 रुपये का किया वादा

पुडुचेरी। पुडुचेरी विधानसभा चुनाव अंतिम चरण में पहुंच चुका है। इस बीच कांग्रेस नेता एवं सांसद राहुल गांधी ने यहां एक जनसभा में हिस्सा लेकर कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। उन्होंने बेरोजगार युवाओं को हर महीने 2000 रुपये और महिलाओं को सरका
री बसों में मुफ्त यात्रा देने का वादा किया। नौ अप्रैल को होने वाले चुनाव के मद्देनजर प्रचार के लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी 6 अप्रैल को तमिलनाडु पहुंचे। वे दिल्ली से चेन्नई आए और वहां से हेलीकॉप्टर के जरिए पुडुचेरी पहुंचे। पुडुचेरी के लॉस्पेट में जनसभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि पुडुचेरी में महिलाओं को मुफ्त बस सेवा दी जाएगी। उन्होंने आगे कहा कि पुडुचेरी को पूर्ण राज्य का दर्जा दिलाने के लिए कांग्रेस प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सरकारी नौकरियों के लिए आयु सीमा 40 वर्ष तक बढ़ाई जाएगी। हर परिवार को 20 लाख का स्वास्थ्य बीमा दिया जाएगा और कांग्रेस की सरकार बनने के 6 महीने के भीतर स्थानीय निकाय चुनाव कराए जाएंगे। उन्होंने कहा कि पुडुचेरी में सरकारी और निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर बढ़ाए जाएंगे।

एक चिता पर 2 सहेलियों का अंतिम संस्कार:एक के देहांत की सूचना मिलने के 5 घंटे बाद दूसरी ने भी दम तोड़ा

पाली, एजेंसी। दोस्ती की मिसालें तो बहुत सुनी होंगी, लेकिन पाली जिले के तखतगढ़ में जो हुआ, उसने हर किसी की आंखें नम कर दीं। यहां सालों पुरानी दो सहेलियों ने अपनी दोस्ती को मौत के बाद भी नहीं टूटने दिया। एक सहेली की मौत हुई, तो दूसरी यह सदमा बर्दाश्त नहीं कर सकी और 5 घंटे के भीतर उसने भी प्राण त्याग दिए। रविवार को एक ही चिता पर दोनों का अंतिम संस्कार किया गया।

कहा सच हुआ : पहले कोई भी जाए, दूसरी को साथ लेकर जाए :पाली से करीब 78 किमी दूर तखतगढ़ के नागचौक इलाके में जो हुआ, वह लोग सालों तक याद रखेंगे। देवासियों की गली में रहने वाली जेठी बाई (पत्नी स्व. मालाराम कलबी) और उनकी पड़ोसी भीकीबाई (पत्नी स्व. भूराराम कलबी) के बीच दशकों पुरानी दोस्ती थी। मोहल्ले वाले बताते हैं कि दोनों अक्सर हंसी-मजाक में कहती थीं- अगर हममें से कोई पहले जाए, तो दूसरी को भी अपने साथ ही लेकर जाए। नियति ने इस बात को सच कर दिखाया।

एक को आई मौत, दूसरी को लगा गहरा सदमा : 4 अप्रैल को जेठी बाई की तबीयत बिगड़ी और रात को उनका निधन हो गया।5 अप्रैल की सुबह जैसे ही सहेली की मौत की खबर भीकीबाई तक पहुंची, वे गहरे सदमे में चली गईं। सदमा इतना गहरा था कि उसी दिन सुबह करीब 8 बजे उन्होंने भी दम तोड़ दिया।दोपहर में पूरे कस्बे में खबर फैलते ही मातम छा गया। दोनों परिवारों ने मिलकर फैसला लिया कि जब ये साथ रहीं, तो विदाई भी साथ ही होगी।

मप्र के ग्वालियर के गांधी उद्यान में सफेद बाघिन मीरा ने दिए 3 शावकों को जन्म

ग्वालियर,एजेंसी। मध्य प्रदेश के ग्वालियर स्थित गांधी प्राणी उद्यान (चिड़ियाघर) में रविवार को सफेद बाघिन मीरा ने तीन शावकों को जन्म दिया है। इनमें दो रॉयल बंगाल और एक सफेद टाइगर शावक शामिल हैं। इस जन्म के साथ ही चिड़ियाघर में बाघों की कुल संख्या 10 हो गई है। चिड़ियाघर के प्रभारी डॉ. उपेंद्र यादव ने बताया कि रविवार दोपहर करीब दो बजे बाघिन मीरा ने तीन शावकों को जन्म दिया। सभी शावक स्वस्थ हैं और उनकी मां मीरा भी सुरक्षित है। उन्होंने पुष्टि की कि जन्मे शावकों में दो रॉयल बंगाल (पीले) और एक सफेद टाइगर है। प्रसव के बाद से मीरा और उसके शावकों की लगातार निगरानी की जा रही है।

गांधी उद्यान के क्यूरेटर गौरव परिहार ने बताया कि नवजात शावकों को सुरक्षा और स्वास्थ्य कारणों से आइसोलेशन में रखा गया है। उन्हें बाहरी संपर्क से दूर रखा जाएगा और विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम नियमित रूप से उनके स्वास्थ्य की जांच कर रही है। मीरा को भी बेहतर रिकवरी के लिए हल्का और पौष्टिक आहार दिया जा रहा है। तीन नए शावकों के जन्म के बाद गांधी प्राणी उद्यान में बाघों की कुल संख्या 10 हो गई है।

जयपुर में विदेशी महिला से छेड़छाड़:जापान से आई थी घूमने, 5 लड़कों ने की गंदी हरकत, सीसीटीवी में दिखे आरोपी

जयपुर, एजेंसी। जयपुर के आमेर इलाके में जापानी महिला टूरिस्ट के साथ पांच युवकों ने छेड़छाड़ की। वह जयगढ़ किले की पहाड़ी पर घूमने गई थी। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश तेज कर दी है। पहाड़ी पर अकेला पाकर घेरा, गंदी हरकतें कीं आमेर थाने के SHO गौतम डोटासरा ने बताया- जापान से राजस्थान भ्रमण पर आई महिला रविवार सुबह करीब 8 बजे जयगढ़ महल देखने पहुंची थी। वह महल के पास स्थित गणेश मंदिर की ओर जा रही थी, तभी रास्ते में सुनसान जगह देखकर 5 लड़कों ने उसे रोक लिया। आरोपियों ने विदेशी महिला के साथ अश्लील हरकतें और छेड़छाड़ शुरू कर दी। शोर मचाया तो भाग निकले आरोपी पीड़िता ने हिम्मत दिखाते हुए शोर मचाना शुरू किया और वहां से भागकर पास ही तैनात सिक्योरिटी गार्ड के पास पहुंची। विदेशी महिला को बदहवास हालत में देख गार्ड ने तुरंत पुलिस को सूचना दी।

केजरीवाल के किराए के वादे पर हाईकोर्ट ने आदेश पलटा

कहा- मीडिया में दिया बयान लागू करवाने लायक नहीं; अब मौजूदा सरकार तय करे

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाईकोर्ट ने 2021 के एक सिंगल जज के आदेश को पलट दिया है। उस आदेश में कहा गया था कि COVID-19 लॉकडाउन के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गरीबों के किराए का भुगतान करने की घोषणा कानूनी तौर पर लागू करने लायक थी।

जस्टिस सी हरि शंकर और जस्टिस ओम प्रकाश शुक्ला की डिवीजन बेंच ने कहा कि प्रेस कॉन्फ्रेंस में दिए गए बयान को कानूनी वादा नहीं माना जा सकता, जिसे अदालतें लागू करवा सकें। दरअसल, कोरोना लॉकडाउन के समय अरविंद केजरीवाल ने 29 मार्च 2020 को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने मकान मालिकों से कहा कि वे गरीब और निर्धन किराएदारों से किराए न मांगें। इसके बाद 5 दिहाड़ी मजदूर कोर्ट पहुंचे, उन्होंने एक याचिका में दावा किया था कि केजरीवाल सरकार ने लॉकडाउन में किराया न दे पाने वालों का किराया भरने का वादा किया था।

जुलाई 2021 में सिंगल जज बेंच ने केजरीवाल सरकार से इसे लागू न करने का कारण पूछा। जिसके खिलाफ दिल्ली सरकार हाईकोर्ट पहुंची थी। दिल्ली हाईकोर्ट ने सितंबर 2021 को डिवीजन बेंच ने सिंगल-जज के आदेश पर रोक लगा दी थी, जिसे आज खारिज कर दिया।

भाजपा का स्थापना दिवस, मोदी बोले-भाजपा हर चुनौती को तैयार

योगी ने पार्टी के झंडे के साथ सेल्फी ली, म.प्र. में 17 नए कार्यालयों का भूमिपूजन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की सबसे बड़ी राजनैतिक पार्टी भाजपा आज 2026 में अपना 47वां स्थापना दिवस मना रही है। स्थापना दिवस को लेकर देशभर में भाजपा कार्यालयों में कई कार्यक्रम हुए।

इस मौके पर पीएम मोदी ने कहा, 'देश जानता है, हर चुनौती का सामना करने के लिए ईमानदारी से कोशिश कर रही है, आगे भी करेगी। पहले भी सकारात्मक नतीजे मिले हैं और आगे भी मिलेंगे।'

उन्होंने वीडियो मैसेज में कहा, 'अंग्रेजों के दौर के सैकड़ों काले कानूनों का अंत, लोकतंत्र के लिए नए संसद भवन का निर्माण, सामान्य समाज के गरीबों के लिए 10%आरक्षण, कानून बनाकर तीन तलाक पर रोक, सीएए, अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण।

शाह ने कहा- भाजपा का मंत्र नेशनल फर्स्ट

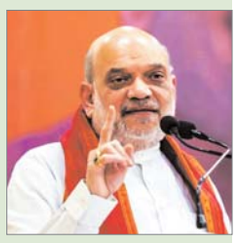

अमित शाह ने लिखा- भाजपा का मूल मंत्र हमेशा स्पष्ट रहा है, नेशनल फर्स्ट, पार्टी नेक्स्ट, सेल्फ लास्ट। इसी मूल भावना के साथ भाजपा का हर कार्यकर्ता दिन-रात राष्ट्र-सेवा में समर्पित है। भाजपा ने लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत करने के साथ देश को तुष्टीकरण से मुक्त, सुशासन, पारदर्शिता को स्थापित करने का कार्य किया है। आज भाजपा केवल एक पार्टी नहीं, बल्कि 140 करोड़ देशवासियों के सपनों और आकांक्षाओं की प्रतिनिधि बन चुकी है।

अब तक भाजपा के 2 प्रधानमंत्री : भाजपा की स्थापना 6 अप्रैल 1980 को हुई थी। लेकिन इसकी नींव 1951 में बने भारतीय जनसंघ के दौरान पड़ी। इसकी स्थापना श्यामा प्रसाद मुखर्जी और दीनदयाल उपाध्याय ने की थी।

केदारनाथ हेली सेवा- 10-12 अप्रैल के बीच शुरू होगी बुकिंग,100% ऑनलाइन टिकट और नए नियम लागू

IRCTC के जरिए होगी बुकिंग

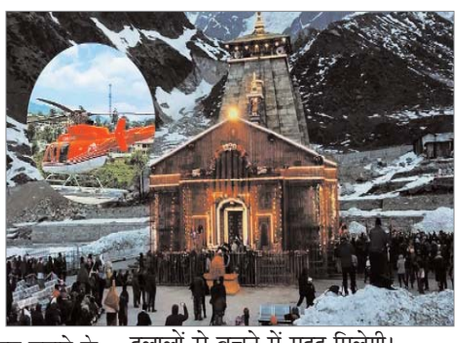

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण (यूकाडा) ने घोषणा की है कि केदारनाथ धाम के लिए हेली सेवा की बुकिंग 10 से 12 अप्रैल के बीच शुरू कर दी जाएगी। यूकाडा के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (CEO) डॉ. आशीष चौहान ने बताया कि इस बार यात्रा को सुरक्षित, पारदर्शी और सुगम बनाने के लिए कई बड़े बदलाव किए गए हैं।टिकटों की कालाबाजारी और धोखाधड़ी को रोकने के लिए यूकाडा ने इस बार 100% ऑनलाइन टिकटिंग का निर्णय लिया है। पिछली बार की तरह इस बार भी बुकिंग का जिम्मा आईआरसीटीसी (IRCTC) के पास ही रहेगा। ऑफलाइन टिकट का कोई प्रावधान नहीं होगा, जिससे यात्रियों को दलालों से बचने में मदद मिलेगी।

चरणबद्ध तरीके से होगी बुकिंग : यात्रियों की भारी भीड़ और हिमालयी क्षेत्र के अनिश्चित मौसम को देखते हुए बुकिंग को स्लॉट में बांटा गया है। शुरुआत में 20-20 दिनों के स्लॉट के लिए टिकट खोले जाएंगे। मौसम और यात्रियों के दबाव का आकलन करने के बाद ही अगले चरणों की बुकिंग शुरू की जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट: पिछड़े वर्ग से होने के कारण नियमों में छूट नहीं

- अदालत ने कहा- सरकारी नौकरी में दान- दया असंभव

नई दिल्ली ,एजेंसी। सरकारी नौकरियों की भर्ती प्रक्रिया में नियम और अनुशासन ही सर्वोपरि हैं। सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम फैसले में दो टूक कहा है कि महज पिछड़े समुदाय से संबंध रखने के आधार पर किसी उम्मीदवार का पलड़ा भारी नहीं हो सकता। शीर्ष अदालत ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि सार्वजनिक रोजगार में चैरिटी (दान) या सहानुभूति के लिए कोई जगह नहीं है। सामाजिक पृष्ठभूमि की आड़ में नियमों को तोड़ना या ढील देना अन्य योग्य उम्मीदवारों के साथ घोर अन्याय है। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने यह व्यवस्था देते हुए स्पष्ट किया कि ऐसी कड़े मुकाबले वाली भर्ती प्रक्रिया में लापरवाही के लिए कोई स्थान नहीं है। पीठ ने कहा कि यदि भर्ती के नियमों में साफ तौर पर लिखा है कि किसी भी चरण के लिए कोई दूसरा अवसर नहीं मिलेगा तो यह नियम हर उम्मीदवार पर समान रूप से लागू होना चाहिए, चाहे उसकी सामाजिक पृष्ठभूमि कुछ भी क्यों न हो। यह पूरा विवाद दिल्ली पुलिस में कांस्टेबल भर्ती से जुड़ा है। भर्ती प्रक्रिया में शामिल उत्तम कुमार नामक एक अभ्यर्थी शारीरिक दक्षता एवं माप परीक्षण की तय तारीख पर गैर-हाजिर रहा था।

लापरवाह रवैया और उत्साह की कमी :

सुप्रीम कोर्ट ने अपनी तल्ख टिप्पणी में कहा कि भर्ती प्रक्रिया में समय का पाबंद होना अत्यंत आवश्यक है। यदि कोई उम्मीदवार तय समय पर परीक्षण के लिए उपस्थित नहीं होता है, तो उसे बाद में मौका देना अन्य प्रतिस्पर्धियों के अधिकारों का हनन है।अदालत ने माना कि बिना उपस्थित हुए बाद में दूसरे मौके की मांग करना यह दर्शाता है कि अभ्यर्थी में नौकरी के प्रति जरूरी उत्साह और पहल की भारी कमी है, जो बल (पुलिस) की नौकरी के लिए बिल्कुल उपयुक्त नहीं है।

सिक्किम में बर्फबारी-भूस्खलन, 1500 टूरिस्ट फंसे

16 राज्यों में आंधी-बारिश का अलर्ट; यूपी में बिजली गिरने से 3 दिन में 15 की मौत

भोपाल/लखनऊ/शिमला/देहरादून,एजेंसी। सिक्किम के मंगन जिले में रविवार को लाचेन-चुंगथांग रोड पर तेज बारिश और बर्फबारी हुई। इसके कारण लैंडस्लाइड भी हुआ और सड़क में बड़ी-बड़ी दरारें आ गईं। यहां 1500 टूरिस्ट फंसे हैं। यहां आज सुबह से ही पर्यटकों का रेस्क्यू जारी है।

इधर, वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के असर से उत्तर भारत के मौसम में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। उत्तराखंड के उत्तरकाशी में यमुनोत्री धाम समेत 3 जिलों में रविवार को बर्फबारी हुई। वहीं 6 जिलों में बारिश के साथ ओले गिरे।

हिमाचल प्रदेश के लाहौल स्पीति के ऊंचे इलाकों में भी बर्फबारी हुई। गोंदला में 28.5 सेंटीमीटर, केलांग में 20.0 सेमी, हंसा में 5 सेमी बर्फ गिरी। जबकि शिमला, कुल्लू और मंडी में ओले गिरने से सेब की फसल को नुकसान हुआ।

यूपी में आंधी-बारिश और बिजली गिरने से 72 घंटे में 15 लोगों की मौत हुई है। काशी, गोंडा, सुल्तानपुर और कानपुर समेत 11 जिलों में रविवार को रुक-रुककर बारिश हुई। कानपुर, मथुरा, संभल में ओले गिरे।

राजस्थान में आज से नया वेदर सिस्टम एक्टिव होगा। 14 जिलों में आंधी के साथ तेज बारिश का अलर्ट है। दिल्ली-हष्टक्र और हरियाणा के कुछ हिस्सों में बारिश के साथ ओले गिरने की संभावना है।

'मरीजों की नहीं हो पाएगी एंजियोग्राफी और एंजियोप्लास्टी', फरीदाबाद के जिला अस्पताल में सेवाएं ठप

फरीदाबाद, एजेंसी। फरीदाबाद में जिला नागरिक बादशाह खान अस्पताल में अभी कुछ दिन और मरीजों की एंजियोग्राफी और एंजियोप्लास्टी नहीं हो पाएगी। हार्ट सेंटर में कैथ लैब की मशीन खराब होने के कारण यहां आपात स्थिति में हृदय रोगियों को सेवाएं नहीं मिल पाएंगी। सिर्फ ओपीडी में ही सेवाएं मिलेंगी। ता दें कि गत दिवस जिला नागरिक अस्पताल में पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप नीति के तहत नए सिरे से हार्ट सेंटर शुरू किया गया था। कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने सेंटर का उद्घाटन किया था। सेंटर में कैथ लैब स्थापित है। मगर अब कैथ लैब में तकनीकी खामी आ गई है। ऐसे में एंजियोग्राफी और एंजियोप्लास्टी नहीं हो पाएगी। यह सेंटर फरवरी, 2018 में शुरू किया गया था। अनियमितताओं की शिकायत बाद लगभग साल पहले सेंटर बंद किया गया था।वहीं, बाद में विपुल गोयल के प्रयास से नए सिरे से सेंटर चालू किया गया। अभी सिर्फ ओपीडी में ही मरीजों को सेवाएं दी जा रही हैं। एचआर प्रमुख मनदीप ने बताया कि कैथ लैब मशीन को जल्दी ही ठीक करवाया जाएगा। इसके बाद यहां एंजियोग्राफी और एंजियोप्लास्टी की जा सकेगी।

दिल्ली के करावल नगर में झगड़े में बीच बचाव करना महिला को पड़ा भारी, नुकीले हथियार से हमला

पूर्वी दिल्ली, एजेंसी। वेस्ट करावल नगर इलाके में पड़ोसियों के बीच हुए झगड़े में बीच बचाव करवाना एक महिला को भारी पड़ गया। आरोप है कि विवाद के दौरान बीच-बचाव कर रही 45 वर्षीय महिला पर आरोपित ने नुकीले हथियार से हमला कर दिया। घायल महिला को जग प्रवेश चंद्र अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गीता अपने परिवार के साथ गली नंबर-14, वेस्ट करावल नगर में रहती हैं। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि उनकी किराएदार ममता और पड़ोस में रहने वाली महिला आशा के बीच घर के बाहर पानी डालने को लेकर कहासुनी हो गई थी। देखते ही देखते दोनों के बीच विवाद बढ़ गया। शोर सुनकर गीता वहां पहुंचीं और दोनों पक्षों के बीच सुलह कराने की कोशिश करने लगीं। इसी दौरान गीता की बेटी योगिता ने झगड़े का वीडियो बनाना शुरू कर दिया। वीडियो बनते देख आरोपी भड़क गए। आरोप है कि आशा का बेटा सूरज और उसके कुछ साथी मौके पर आ गए। उन्होंने पहले योगिता को वीडियो बनाने से रोका और फिर गीता के साथ मारपीट शुरू कर दी। इसी दौरान सूरज ने गीता के बाएं हाथ पर किसी नुकीली चीज से हमला कर दिया।

दिल्ली-एनसीआर में फिर बदलेगा मौसम, मंगलवार को तेज हवा के साथ बारिश के आसार ; येलो अलर्ट जारी

नई दिल्ली, एजेंसी। रविवार को सुबह आसमान में बादल छाए थे, लेकिन दिन चढ़ने के साथ ही धूप खिल गई। पूरे दिन आसमान साफ रहा। इससे शनिवार की तुलना में तापमान में कुछ वृद्धि हुई है। वहीं, भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आइएमडी) के अनुसार मंगलवार को फिर से मौसम में बदलाव होगा। तेज हवा के साथ हल्की वर्षा होगी। इसे लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है। रविवार को दिल्ली का न्यूनतम तापमान 20.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो मौसम के औसत से 1.3 डिग्री नीचे था। अधिकतम तापमान 32.7 डिग्री सेल्सियस रहा, जो मौसम के औसत से 1.3 डिग्री कम था। शाम साढ़े पांच बजे सापेक्ष आर्द्रता 46 प्रतिशत रही।

कितना रहेगा अधिकतम तापमान : मौसम विभाग ने सोमवार के लिए आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 34 और 19 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। दिल्ली की हवा मध्यम श्रेणी में बनी हुई है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार रविवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 134 दर्ज किया गया, जो शनिवार के 137 से थोड़ा कम था। अगले सप्ताह भी एक्यूआई में बहुत अधिक परिवर्तन नहीं होने का पूर्वानुमान है।

दिल्ली के छतरपुर की मांडी रोड चौड़ीकरण योजना ठप, एक साल बाद भी एनएचएआई को ट्रांसफर अटका

दक्षिणी दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार की ओर से छतरपुर स्थित मांडी रोड को चौड़ा करने का काम भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआइ) को सौंपने की योजना की घोषणा किए जाने एक वर्ष बाद भी एक इंच काम शुरू नहीं हो पाया। पीडब्ल्यूडी के मुताबिक 8.8 किलोमीटर लंबी यह सड़क महरौली को फरीदाबाद से जोड़ती है। यह पीक आवर्स में भीषण जाम की चपेट में रहती है। यह सड़क छतरपुर से गुरुग्राम के बीच आवाजाही करने वालों के लिए अहम है। अप्रैल 2025 में पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश वर्मा ने घोषणा की थी कि इस प्रोजेक्ट को एनएचएआइ को सौंपा जाएगा और इसे राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित किया जाएगा। हालांकि, इस हस्तांतरण को आसान बनाने का प्रस्ताव अभी भी स्वीकृति का इंतजार कर रहा है। इससे जमीनी स्तर पर काम शुरू होने में देरी हो रही है। इसे लेकर पीडब्ल्यूडी मंत्री की ओर से कोई जवाब नहीं मिल पाया है। पीडब्ल्यूडी के एक अधिकारी ने बताया कि औद्योगिक क्षेत्रों तक सामग्री की आवाजाही को आसान बनाने और राष्ट्रीय राजमार्गों से जुड़ने में इसकी भूमिका को देखते हुए, इस प्रोजेक्ट का स्थानीय शहरी परिवहन से कहीं ज्यादा व्यापक राष्ट्रीय और क्षेत्रीय महत्व है।

फरीदाबाद में विकास कार्यों में बांधा बनी भाजपा की गुटबाजी

मेयर ने सरकार से की कार्यकारी अभियंता की शिकायत

फरीदाबाद, एजेंसी। दो दिन पहले फरीदाबाद महानगर विकास प्राधिकरण की बैठक में सीएम नायब सैनी ने दो अधिकारियों पर काम में लापरवाही बरतने को लेकर कार्रवाई की थी। अब नगर निगम के ऐसे ही लापरवाह कार्यकारी अभियंता की शिकायत मेयर ने सरकार को भेजी है।मेयर प्रवीण जोशी ने अपने पत्र में कहा कि बड़खल जोन में 34 से अधिक काम है। जिनको तय तिथि के बाद भी शुरू नहीं किया गया। जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा रहा हैं। तय समय पर काम नहीं शुरू होने को लेकर कार्यकारी अभियंता से जवाब मांगा गया था। लेकिन वह संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। मामले की जांच चीफ इंजीनियर विवेक गिल को दी गई है।जांच में कार्यकारी अभियंता दोषी पाए जाते हैं तो उन पर सरकार की ओर से कार्रवाई की जाएगी। सूत्रों के अनुसार आपसी गुटबाजी की वजह से वर्क आर्डर जारी होने के बाद भी काम शुरू नहीं हो पाए हैं। मेयर के अनुसार बड़खल विधानसभा क्षेत्र के अलग-अलग वार्ड में काम शुरू होने कराए जाने थे। जिसमें वार्ड-15 में विहार पार्क का नवीनीकरण, वार्ड-16 के इंटरलाकिंग टाइल्स लगाने का काम, नालियां निर्माण करने समेत 34 काम शामिल थे। लेकिन कार्यकारी अभियंता की ओर से वर्क आर्डर जारी होने के बाद एक काम भी शुरू नहीं किया गया। जबकि मेयर आफिस से संबंधित पार्षदों के कहने पर बार बार कार्यकारी अभियंता को विकास कार्य शुरू करने के लिए पत्र भी लिया गया।भाजपा की आपसी गुटबाजी की वजह से विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं। जिन कामों को कार्यकारी अभियंता द्वारा शुरू नहीं किया गया है। उनमें से अधिकतर काम पार्षद मनोज नासवा के वार्ड-16 में होने हैं। बड़खल विधानसभा क्षेत्र के विधायक धनेश अदलखा केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर के समर्थक है। जबकि वार्ड-16 के पार्षद मनोज नासवा मेयर और कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल के खेमे से आते हैं। ऐसे में नगर निगम अधिकारी भी पूरी तरह से असमंजस में रहते हैं। इससे पहले भाजपा की आपसी गुटबाजी के कारण सीनियर डिप्टी मेयर और डिप्टी मेयर का चुनाव नहीं हो पाया है। इसके साथ ही अभी तक फाइनेंस कमेटी का गठन नहीं हो पाया है। मेरे वार्ड में पांच करोड़ के काम शुरू नहीं हुए है। अधिकारी किस वजह से वर्क आर्डर जारी होने के बाद भी काम शुरू नहीं कर रहे हैं। इस मामले की जांच को लेकर मेयर और सरकार को पत्र लिखा गया है।वर्क ऑर्डर होने के बाद भी काम क्यों नहीं शुरू हो पाए। इसको लेकर कार्यकारी अभियंता से जवाब मांगा गया था। लेकिन वह संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए। इसलिए सरकार को कार्रवाई के लिए पत्र लिखा गया है।

एनडीएमसी ने तैयार किया ग्रीन कैलेंडर, हर रविवार होगा वृक्षारोपण अभियान

नई दिल्ली, एजेंसी। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने ग्रीन कैलेंडर तैयार किया है। जिसके तहत एनडीएमसी इलाके के आरडब्ल्यूए और मार्केट एसोसिएशन हर रविवार को वृक्षारोपण कार्यक्रम करेंगे। समें पीएम मोदी की प्रेरणा से चलाए जा रहे एक पेड़ मां के नाम के तहत वृक्षारोपण किया जाएगा। सी के तहत रविवार को लक्ष्मी बाई नगर तिकोना पार्क, लक्ष्मीबाई नगर मार्केट आरब्ल्यूए के साथ मिलकर एनडीएमसी उपाध्यक्ष कुलजीत चहल ने वृक्षारोपण अभियान का नेतृत्व किया। स दौरान अशोक और आम के पेड़ों का वृक्षारोपण किया गया। इसमें स्थानीय नागरिकों की भी भागीदारी रही।

लोगों को कर रहे प्रेरित : इस दौरान कार्यक्रम को संबोधित करते हुए चहल ने कहा कि पीएम मोदी की प्रेरणा से प्रारंभ किया गया एक भावनात्मक एवं सामाजिक जन-अभियान है, जिसके माध्यम से लोगों को अपनी मां के सम्मान में एक पेड़ लगाने और पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। न्होंने कहा कि यह अभियान केवल वृक्षारोपण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह प्रकृति के प्रति सम्मान, सामाजिक जिम्मेदारी और आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं हरित वातावरण सुनिश्चित करने का संकल्प भी है।

हर रविवार चलेगा वृक्षारोपण अभियान : चहल ने बताया कि एनडीएमसी ने वर्षभर के लिए एक ग्रीन कैलेंडेर तैयार किया है, जिसके अंतर्गत हर रविवार को एनडीएमसी क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में वृक्षारोपण अभियान चलाया जाएगा। स अभियान को सफल बनाने के लिए एनडीएमसी के उद्यान, हेल्थ और सिविल के साथ स्वच्छता विभाग समन्वित रूप से कार्य करेंगे। ताकि वैज्ञानिक तरीके से वृक्षारोपण, उनकी देखभाल और निगरानी सुनिश्चित की जा सके तथा लगाए गए पौधे आगे चलकर स्थायी हरित क्षेत्र का रूप ले सकें।

गुरुग्राम में पानी की समस्या का स्थायी समाधान, जीएमडीए बिछाएगा नई पाइपलाइन

नया गुरुग्राम, एजेंसी। गर्मियों की शुरुआत होते ही गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) ने पानी की बढ़ती समस्या को देखते हुए डीएलएफ फेज-2 और आसपास के इलाकों में नई पाइपलाइन बिछाने की दिशा में काम शुरू कर दिया है। सी क्रम में जीएमडीए के कार्यकारी अभियंता अभिनव वर्मा ने बताया कि भविष्य के लिए स्थायी समाधान को ध्यान में रखते हुए नई पाइपलाइन बिछाने की योजना तैयार की गई है, जिनके लिए निविदा (टेंडर) जल्द जारी किए जाएंगे। हली पाइपलाइन बसई से शुरू होकर पालम विहार, डूंडाहेड़ा और सूर्या विहार होते हुए साइबर हब और डीएलएफ फेज-2 तक पहुंचेगी। वहीं दूसरी पाइपलाइन सेक्टर-16 से सिरहौल होते हुए डीएलएफ फेज-2 तक जाएगी। ह एक बड़ी और महत्वपूर्ण परियोजना है, जिसे वर्ष 2028 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। जीएमडीए का उद्देश्य है कि भविष्य में पानी की समस्या पूरी तरह समाप्त हो और इस वर्ष भी लोगों को कम से कम परेशानी का सामना करना पड़े।

अमेरिकी-इस्राइल हमलों में ईरान के ब्रिगेडियर जनरल की मौत; यूएई पेट्रोकेमिकल प्लांट में आग

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया इन दिनों बारूद के ढेर पर खड़ा है। एक महीने से ज्यादा समय से चल रहे अमेरिका-ईरान संघर्ष में इस्राइल और अमेरिका की हमले 37वें दिन में और तीव्र हो गए हैं। आसमान से मिसाइलें बरस रही हैं, धमाके गूंज रहे हैं और शहरों में भय और तबाही का माहौल है। हर पल हालात और भी खतरनाक बन रहे हैं।

अमेरिका और ईरान के बीच सोमवार को सौदे की संभावनाः ट्रंप : अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को कहा कि उन्हें लगता है कि सोमवार को ईरान के साथ समझौता होने की 'अच्छी संभावना' है। ट्रंप ने ईरान को हॉर्मुज जलडमरूमध्य खोलने की अंतिम समयसीमा दी थी, वरना उसे भारी बमबारी का सामना करने को कहा था। राष्ट्रपति ने फॉक्स न्यूज के पत्रकार से कहा, मुझे लगता है कि कल अच्छी संभावना है। वे अभी बातचीत कर रहे हैं। ईरान की सेना के वायु रक्षा कॉलेज के कमांडर की हमले में मौतः ईरानी मीडिया अमेरिकी-इस्राइली हमले में ईरानी सेना के वायु रक्षा कॉलेज के कमांडर मसूद जारे की मौत हो गई। ईरान की मेहर न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट में यह दावा किया गया। रिपोर्ट में कहा गया कि यह हमला ईरानी क्षेत्र में किया गया, जिसमें ब्रिगेडियर जनरल मसूद जारे मारे गए। इससे क्षेत्र में तनाव और बढ़ने की आशंका है। इस्राइल के डिनोमा में पेट्रोकेमिकल ठिकानों को निशाना बनायाः ईरानी सेना ईरानी सेना ने दावा किया कि उसने दक्षिण इस्राइल के डिनोमा इलाके के पास पेट्रोकेमिकल ठिकानों को निशाना बनाया। डिमोना वहीं जगह है, जहां माना जाता है कि इस्राइल की मुख्य परमाणु सुविधा है। पहले भी इस क्षेत्र पास हमलों की खबरें सामने आ चुकी हैं। ईरान ने यह भी कहा कि उसने कुवैत के बुबियान द्वीप पर अमेरिकी सैन्य ठिकानों को ड्रोन से निशाना बनाया। हाल के दिनों में खाड़ी क्षेत्र में ऊर्जा और सैन्य ठिकानों पर हमले बढ़े हैं, जिससे तनाव और बढ़ गया है।

बढ़ती उत्पादन लागत से टीवी उद्योग की बिक्री में गिरावट की आशंका टीवी उद्योग, जो पहले ही मेमोरी चिप्स की बढ़ती कीमतों से जूझ रहा है, अब पश्चिम एशिया में चल रही भू-राजनीतिक तनाव की वजह से प्लास्टिक से लेकर समुद्री माल भाड़े तक की बढ़ती लागतों के चलते बिक्री में गिरावट की तैयारी कर रहा है। कुछ निर्माता इस बात की भी चिंता जता रहे हैं कि बढ़ती कीमतों के कारण खरीदार छोटे स्क्रीन साइज वाले टीवी की ओर रुख कर सकते हैं। इसके अलावा, रुपये के अवमूल्यन ने कुल उत्पादन लागत बढ़ा दी है, जिससे टीवी की खुदरा कीमतें भी बढ़ गई हैं। बड़ी कंपनियों ने कुछ लागत का भार अपने ऊपर लिया है। कई कंपनियां पूरी लागत वृद्धि ग्राहकों पर नहीं डाल रही हैं, ताकि भारत के प्रतिस्पर्धी टीवी बाजार में अपनी हिस्सेदारी बनाए रख सकें।

गूगल ट्रेंड में ट्रंप के लीडरशिप का सवाल- पद कब छोड़ोगे? भू-राजनीतिक संकट ने सोचने पर किया विवश

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका-इस्राइल-ईरान युद्ध के बीच वैश्विक स्तर पर गूगल ट्रेंड्स में एक असामान्य उछाल दर्ज किया गया है, जहां अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ-साथ उनके कार्यकाल, पद छोड़ने की तारीख और अमेरिकी नेतृत्व की समयसीमा को लेकर रिकॉर्ड स्तर पर सर्च किए जा रहे हैं। डिजिटल एनालिटिक्स प्लेटफॉर्म्स और सार्वजनिक डेटा संकेत देते हैं कि मौजूदा भू-राजनीतिक संकट ने लोगों को यह जानने के लिए प्रेरित किया है कि अमेरिकी नेतृत्व कितने समय तक बना रहेगा और भविष्य की नीति दिशा क्या होगी। गूगल ट्रेंड्स के हालिया डेटा के अनुसार, व्हेन विल ट्रंप लीव ऑफिस, ट्रंप टर्म एंड डेट और यूएस प्रेसिडेंशियल टर्म ड्यूरेशन जैसे सर्च टर्म्स में अभूतपूर्व उछाल देखा गया है। विभिन्न क्षेत्रों में इन कीवर्ड्स की लोकप्रियता अपने उच्चतम स्तर के करीब पहुंचती दिखाई दी, जिसे डिजिटल विश्लेषकों ने रिकॉर्ड सर्च इंटरेस्ट की श्रेणी में रखा है। सिमिलरवेब और सेमरश के ट्रैफिक एनालिसिस के अनुसार इन विषयों से जुड़े लेखों और व्याख्यात्मक कंटेंट की रीडरशिप में भी तेज वृद्धि हुई है। काउंसिल ऑन फॉरेन रिलेशंस (सीएफआर) के विश्लेषकों के अनुसार, किसी भी बड़े अंतरराष्ट्रीय संकट के दौरान लीडरशिप टाइमलाइन से जुड़े सर्च का बढ़ना एक सामान्य वैश्विक प्रवृत्ति है।

वैश्विक स्तर पर कहां सबसे ज्यादा असर : गूगल ट्रेंड्स के क्षेत्रीय विश्लेषण से पता चलता है कि अमेरिका, भारत, यूके और मध्य पूर्व के देशों में इन सर्च टर्म्स की सबसे अधिक सक्रियता दर्ज की गई। विशेष रूप से उन क्षेत्रों में, जहां अमेरिकी विदेश नीति का सीधा प्रभाव पड़ता है, ट्रंप कब पद छोड़ेंगे जैसे सवाल प्रमुख रूप से उभरे हैं। भारत में भी अमेरिकी राष्ट्रपति का कार्यकाल कितने साल का होता है और ट्रंप टर्म एंड डेट जैसे प्रश्न तेजी से ट्रेंड करते देखे गए।

वैश्विक स्तर पर यहां सबसे ज्यादा असर : डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के डेटा से यह भी सामने आया है कि सोशल मीडिया पर चल रही बहसों ने इन सर्च ट्रेंड्स को और गति दी है। ट्रंप फॉरेन पॉलिसी, करेंट यूएस लीडरशिप और ईरान पॉलिसी तुलना जैसे विषय एक्स और यूट्यूब पर ट्रेंड करते ही उनसे जुड़े सर्च में उछाल दर्ज किया गया।

युद्ध से दुबई में पर्यटन पर संकटः 80 प्रतिशत तक गिरी कमाई, होटल-रेस्तरां भी सूने; समझिए कर्मचारियों पर संकट क्यों

अबूधाबी, एजेंसी। दुनिया के सबसे व्यस्त पर्यटन केंद्रों में शामिल दुबई पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के चलते गहरे संकट से गुजर रहा है। पिछले साल यानी 2025 में 19.59 मिलियन अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों का स्वागत करने वाला यह शहर अब खाली होटलों, सूने रेस्तरां और ठप पड़े एयर ट्रैफिक की मार झेल रहा है। पर्यटन उद्योग से जुड़े कारोबारियों के अनुसार, आय में 50% से 80% तक की गिरावट आई है, जबकि होटल ऑक्यूपेंसी कई जगह 15-20% तक सिमट गई है। बीबीसी, बुकिंग प्लेटफार्म वेगो, डाटा एनालिटिक्स कंपनी एयरडीएनए और ऑक्सफोर्ड इकोनॉमिक्स के अनुसार दुबई के रेस्तरां, जो आमतौर पर पर्यटकों और स्थानीय लोगों की भीड़ से गुलजार रहते थे, अब खाली नजर आ रहे हैं। टाशस हॉस्पिटैलिटी ग्रुप की संस्थापक नताशा साइडेरिस कहती हैं कि देशभर में 14 आउटलेट्स और 1,000 से अधिक कर्मचारियों वाले उनके ग्रुप में राजस्व 50% से अधिक गिर चुका है,

जबकि पर्यटकों पर निर्भर आउटलेट्स में यह गिरावट 70% से 80% तक पहुंच गई है। हालात इतने खराब हैं कि कई प्रतिष्ठानों को अपने आधे से ज्यादा कर्मचारियों को बिना वेतन छुट्टी पर भेजना पड़ा है। डेटा फर्म एयरडीएनए के अनुसार, युद्ध शुरू होने के पहले महीने (28 फरवरी से 29 मार्च) के दौरान यूएई में 2,26,500 से अधिक शॉर्ट-टर्म बुकिंग रद्द हुई हैं।पिछले कुछ वर्षों में तेजी से बढ़ी होटल और शॉर्ट-टर्म अपार्टमेंट सप्लाई अब भारी दबाव में है, क्योंकि मांग अचानक गिर गई है।

प्रवासी कामगारों पर सबसे ज्यादा मार :दुबई के हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में काम करने वाले प्रवासी कामगार इस संकट से सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। कई कर्मचारियों की नौकरी चली गई है या उन्हें बिना वेतन छुट्टी पर भेज दिया गया है। एक दक्षिण एशियाई वेटर के मुताबिक, यह कोविड-19 जैसा लग रहा है।हमें डर है कि फिर से नौकरी खोकर घर लौटना पड़ सकता है।मानवाधिकार समूहों के अनुसार यूएई में कई प्रवासी पहले से ही कर्ज के बोझ में दबे हैं, जिससे यह संकट उनके लिए और गंभीर हो गया है।

क्षेत्रीय स्तर पर अरबों डॉलर का नुकसान संभव :ऑक्सफोर्ड इकोनॉमिक्स की इकाई टूरिज्म इकोनॉमिक्स के अनुसार अगर युद्ध लंबा खिंचता है तो मध्य पूर्व में 23 से 38 मिलियन कम पर्यटक आ सकते हैं। इससे 34 अरब डॉलर से 56 अरब डॉलर तक के पर्यटन राजस्व का नुकसान हो सकता है। मामून हमीदेन के अनुसार अगर युद्ध जल्दी खत्म होता है तो रिकवरी संभव है, लेकिन लंबा खिंचने पर पूरे समर सीजन पर सवाल खड़े हो सकते हैं।

हवाई यातायात को झटका किराया बढ़ने के भी संकेत :युद्ध के कारण वैश्विक विमानन उद्योग की रीढ़ माने जाने वाला गल्फ हब मॉडल को गहरे संकट में डाल दिया है। दुबई, अबू धाबी और दोहा जैसे विश्व के सबसे व्यस्त ट्रांजिट केंद्रों पर उड़ानों में भारी बाधा, ईंधन संकट और यात्रियों की सुरक्षा चिंताओं ने न केवल तत्काल संचालन को प्रभावित किया है, बल्कि लंबे समय में हवाई यात्रा के स्वरूप को भी बदलने की आशंका पैदा कर दी है। बीबीसी और इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन (आईएटीए) के अनुसार दुबई, अबू धाबी और दोहा से सीमित लेकिन नियमित उड़ानें संचालित हो रही हैं। हालांकि शेड्यूल अभी भी बार-बार बदल रहे हैं और कई रूट्स पर प्रतिबंध जारी हैं। ईंधन आपूर्ति भी पूरी तरह स्थिर नहीं हो पाई है। जेट फ्यूल की कीमतें ऊंचे स्तर पर बनी हुई हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर गल्फ कैरियर्स की क्षमता घटती है, तो हवाई किराए बढ़ना तय है। संघर्ष के बाद से सिरियम के विश्लेषकों के अनुसार, संघर्ष शुरू होने के बाद से मिडिल ईस्ट के लिए 30,000 से अधिक उड़ानें रद्द की जा चुकी हैं।

सम्राट चौक पर कांग्रेस का प्रदर्शन : पूर्व मंत्री पटेल के नेतृत्व में महंगाई-बेरोजगारी और किसानों के मुद्दों को लेकर दिया धरना

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिला मुख्यालय के सम्राट चौक पर को कांग्रेस पार्टी ने जनहित के मुद्दों को लेकर धरना प्रदर्शन किया। कांग्रेस वर्किंग कमेटी के सदस्य कमलेश्वर पटेल और जिला अध्यक्ष ज्ञान सिंह के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की प्रदर्शन के बाद कलेक्टर को ज्ञापन देकर समस्याओं के समाधान की मांग की गई। इस दौरान पूर्व मंत्री कमलेश्वर पटेल ने कहा कि बाजार में खाद्यान्न होने के बावजूद रसोई गैस की कमी से आम जनता और छोटे व्यापारी परेशान हैं कांग्रेस नेताओं ने बिजली बिलों में हो रही बेतहाशा बढ़ोतरी और बढ़ती महंगाई को सरकार की विफलता बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि इन समस्याओं के कारण आमजन का बजट बिगड़ गया है। गेहूं खरीदी में देरी से बिचौलियों को लाभ धरने के दौरान किसानों का मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया नेताओं ने कहा कि गेहूं खरीदी प्रक्रिया समय पर शुरू नहीं होने से किसान अपनी उपज बिचौलियों को कम दामों पर बेचने को मजबूर हैं कांग्रेस ने मांग की है कि किसानों को उनकी मेहनत का उचित दाम दिलाने के लिए तत्काल सरकारी खरीदी केंद्र सक्रिय किए जाएं। सम्राट चौक पर दोपहर 12 बजे शुरू हुए इस विरोध प्रदर्शन के दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम रहे। कोतवाली थाना प्रभारी अभिषेक उपाध्याय के नेतृत्व में भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। जिला अध्यक्ष ज्ञान सिंह ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने इन मांगों पर जल्द ठोस कदम नहीं उठाए, तो आगामी दिनों में आंदोलन उग्र किया जाएगा।

ओलावृष्टि से प्रभावित क्षेत्रों का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में हाल ही में हुई ओलावृष्टि से प्रभावित किसानों की स्थिति का जायजा लेने के लिए कलेक्टर विकास मिश्रा ने चुरहट तहसील अंतर्गत ग्राम समदा एवं पटपरा का दौरा किया। उन्होंने खेतों में पहुंचकर फसल क्षति का स्थल निरीक्षण किया और प्रभावित किसानों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि फसल नुकसान का सर्वे पूरी पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ किया जाए उन्होंने कहा कि सर्वे में केवल वास्तविक पात्र किसानों को ही शामिल किया जाए ताकि राहत राशि सही लाभार्थियों तक पहुंच सके। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि सर्वे कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी प्रक्रियाएं निर्धारित मापदंडों के अनुसार समय-सीमा में पूरी की जाएं। कलेक्टर ने राजस्व अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में सतत निगरानी रखने के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि ओलावृष्टि से प्रभावित किसानों के मामलों में त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित की जाए, ताकि उन्हें समय पर राहत मिल सके उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि प्राकृतिक आपदा के मामलों में सहायता प्रदान करने में किसी प्रकार की देरी नहीं होनी चाहिए।

किसानों की समस्याओं को लेकर राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ की बैठक सम्पन्न, विद्युत व्यवस्था व एमएसपी पर उठे सवाल

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। किसानों की ज्वलंत समस्याओं को लेकर राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ की मासिक बैठक सोमवार को उद्यानिकी परिसर, कोठी कम्पाउण्ड, रीवा में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष भक्त प्रहलाद कुशवाहा ने की जबकि मुख्य अतिथि के रूप में संगठन के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री रविदत्त सिंह उपस्थित रहे बैठक में जिलेभर से आए पदाधिकारियों और किसानों ने अपनी समस्याओं को प्रमुखता से उठाया और शासन-प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान समय में गेहूं की फसल की कटाई और गहाई का कार्य तेजी से चल रहा है, लेकिन मौसम की अनिश्चितता ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। इसके साथ ही बाजार में गेहूं का मूल्य मात्र 2000 से 2100 रुपये प्रति क्विंटल होने के कारण किसानों को अपनी उपज औने-पौने दामों में बेचने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। किसानों ने आरोप लगाया कि न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की व्यवस्था जमीनी स्तर पर प्रभावी नहीं है और इसका लाभ व्यापारियों को अधिक मिल रहा है जबकि किसानों के हितों की अनदेखी की जा रही है। बैठक में शासन-प्रशासन की कथनी और करनी में अंतर को लेकर भी नाराजगी व्यक्त की गई। वक्ताओं ने कहा कि सरकार द्वारा किसानों के हित में कई घोषणाएं की जाती हैं, लेकिन उनका क्रियान्वयन सही तरीके से नहीं हो पाता जिससे किसानों को अपेक्षित लाभ नहीं मिल रहा है। विद्युत व्यवस्था को लेकर भी बैठक में गंभीर चिंता व्यक्त की गई किसानों और आम उपभोक्ताओं को अनियमित और अधिक बिजली बिल मिलने की शिकायतें सामने आईं वक्ताओं ने आरोप लगाया कि विद्युत विभाग की मनमानी के कारण उपभोक्ताओं को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है साथ ही उच्च न्यायालय के आदेश के बावजूद जबरन स्मार्ट मीटर लगाए जाने के प्रयासों का भी विरोध किया गया। बैठक में निजी स्कूलों की मनमानी पर भी चर्चा हुई। संगठन के पदाधिकारियों ने बताया कि स्कूल प्रबंधन द्वारा अभिभावकों पर निर्धारित दुकानों से ही किताबें और यूनिफॉर्म खरीदने का दबाव बनाया जा रहा है। इसके अलावा छात्रों से निर्धारित समय जुलाई के बजाय अप्रैल माह में ही फीस जमा करने के लिए बाध्य किया जा रहा है, जो कि अनुचित है संगठन ने इस पर जिला प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग की है। अंत में संगठन ने जिला कलेक्टर से मांग की कि किसानों, उपभोक्ताओं और अभिभावकों से जुड़ी इन समस्याओं पर गंभीरता से ध्यान देते हुए शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जाए।

सीएसआरएफ-1 फार्म जमा करने की समय-सीमा तय :10 अप्रैल तक अनिवार्य निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में नवनियुक्त कर्मचारियों से संबंधित आवश्यक दस्तावेजों के लंबित मामलों को लेकर कोषालय विभाग ने सख्त रुख अपनाया है वरिष्ठ कोषालय अधिकारी ने स्पष्ट निर्देश जारी करते हुए कहा है कि सभी संबंधित कार्यालय 10 अप्रैल 2026 तक अनिवार्य रूप से सीएसआरएफ-1 (एस1) फार्म जमा करना सुनिश्चित करें। जारी जानकारी के अनुसार कई नवनियुक्त कर्मचारियों को कोषालय से इम्प्लाई कोड आवंटित किए जा चुके हैं लेकिन संबंधित आहरण एवं संवितरण अधिकारियों द्वारा सीएसआरएफ-1 फार्म नियमानुसार अब तक जमा नहीं किए गए हैं इस संबंध में विभाग द्वारा कई बार पत्राचार और मौखिक रूप से अवगत कराया जा चुका है फिर भी अनेक प्रकरण लंबित हैं। वरिष्ठ कोषालय अधिकारी ने चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि निर्धारित समय-सीमा तक फार्म जमा नहीं किए गए तो संबंधित कर्मचारियों के इम्प्लाई कोड एवं को निष्क्रिय कर दिया जाएगा ऐसी स्थिति में पूरी जिम्मेदारी संबंधित कार्यालय प्रमुख की मानी जाएगी। उन्होंने सभी शाखा प्रभारियों और अधिकृत मैसेंजर को निर्देशित किया है कि वे कोषालय से समन्वय स्थापित कर लंबित सीएसआरएफ-1 फार्म को समय-सीमा के भीतर जमा कराएं इसके साथ ही जिन कर्मचारियों के फार्म पहले ही भेजे जा चुके हैं उनके कार्ड अधिकृत मैसेंजर के माध्यम से प्राप्त करने के भी निर्देश दिए गए हैं कोषालय विभाग के इस निर्देश के बाद प्रशासनिक हलकों में हलचल तेज हो गई है।

जल संकट की आशंका पर सीधी जिला जल अभावग्रस्त घोषित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में संभावित पेयजल संकट को देखते हुए प्रशासन ने बड़ा निर्णय लिया है। कलेक्टर विकास मिश्रा ने प्रमुख नदियों, नालों एवं स्टॉपडैम के जल स्तर में लगातार गिरावट को ध्यान में रखते हुए संपूर्ण सीधी जिले को जल अभावग्रस्त क्षेत्र घोषित कर दिया है यह निर्णय आमजन एवं पशुओं के लिए पेयजल की सतत उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लिया गया है। जारी आदेश के अनुसार जिले की तहसीलें-रामपुरनैकिन, चुरहट, गोपदबनास, सिहावल, बहरी, मझौली, मड़वास एवं कुसमी-को 02 अप्रैल 2026 से 15 जुलाई 2026 अथवा वर्षा प्रारंभ होने तक जल अभावग्रस्त क्षेत्र घोषित किया गया है। प्रशासन का मानना है कि इस अवधि में जल स्त्रोतों पर अतिरिक्त दबाव को नियंत्रित करना अत्यंत आवश्यक है। यह आदेश मध्यप्रदेश पेयजल परिरक्षण अधिनियम 1986 तथा उसके संशोधित प्रावधान मध्यप्रदेश पेयजल परिरक्षण (संशोधन) अधिनियम 2002 की धारा 3 के तहत जारी किया गया है जिसके माध्यम से जल संसाधनों के संरक्षण और प्रबंधन के लिए सख्त कदम उठाए गए हैं। कलेक्टर द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार बिना सक्षम अधिकारी की पूर्व लिखित अनुमति के ट्यूबवेल उत्खनन पर पूर्णत: प्रतिबंध रहेगा इसके साथ ही नदियों, नालों और स्टॉपडैम से पेयजल के अलावा अन्य किसी भी उपयोग के लिए पानी लेने पर भी रोक लगा दी गई है सभी अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) को इस संबंध में सक्षम अधिकारी नियुक्त किया गया है जो अनुमति और निगरानी की जिम्मेदारी निभाएंगे।

6000 वर्गमीटर में भाजपा का हाईटेक भवन, डेढ़ करोड़ की लागत से बनेगा, सांसद-विधायक ने किया भूमिपूजन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। शहर में भारतीय जनता पार्टी के नए जिला कार्यालय के निर्माण का मार्ग प्रशस्त हो गया है। भारत होटल के पास स्थित शासकीय जमीन पर विधिवत भूमिपूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया यह कार्यक्रम सुबह 11:00 बजे शुरू हुआ जिसमें जिले और प्रदेश स्तर के कई प्रमुख नेता उपस्थित रहे। भूमिपूजन कार्यक्रम में सीधी सांसद डॉ. राजेश मिश्रा, सीधी विधायक रीती पाठक, धौहनी विधायक कुंवर सिंह टेकाम, सिहावल विधायक विश्वामित्र पाठक और भाजपा जिलाध्यक्ष देव कुमार सिंह चौहान प्रमुख रूप से मौजूद थे। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग

के जरिए इस कार्यक्रम से जुड़े। उन्होंने एक साथ प्रदेश के 18 जिलों में भाजपा कार्यालयों के भूमिपूजन कार्यक्रमों में सहभागिता की जिसमें सीधी जिला भी शामिल था। भाजपा के जिला मीडिया प्रभारी सुरेंद्र मणि द्विवेदी ने बताया कि सीधी में बनने वाला यह कार्यालय लगभग डेढ़ करोड़ रुपये की लागत से तैयार किया जाएगा। यह भवन करीब 6000 वर्गमीटर क्षेत्र में विकसित होगा और आधुनिक सुविधाओं से लैस होगा। प्रस्तावित भवन में एक विशाल मीटिंग हॉल, कॉन्फ्रेंस रूम, डिजिटल सुविधाएं, कंप्यूटर कक्ष और कार्यकर्ताओं के लिए व्यवस्थित बैठने की जगह शामिल होगी। इसमें छोटे गेस्ट रूम भी बनेगा। कार्यालय संगठनात्मक गतिविधियों के साथ-साथ पार्टी कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण और विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन का केंद्र भी बनेगा।

आंधी-बारिश से गेहूं की फसल खराब,किसानों की चिंता बढ़ी उत्पादन पर असर की आशंका

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। जिले में अचानक बदले मौसम ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। पिछले कुछ दिनों से तेज हवाओं और बारिश के कारण खेतों में खड़ी और कटी हुई गेहूं की फसल को भारी नुकसान हुआ है कई इलाकों में आंधी से पकी हुई फसल गिर गई है जिससे उत्पादन प्रभावित होने की आशंका है। कटहरी गांव के किसान अरुण तिवारी ने बताया कि उनकी पकी हुई गेहूं की फसल तेज तूफान के कारण खेत में गिर गई है उन्होंने आशंका जताई कि गिरी हुई फसल की गुणवत्ता खराब हो जाएगी और दाने काले पड़ सकते हैं तिवारी ने यह भी कहा कि यदि आने वाले दिनों में मौसम ऐसा ही रहा और बारिश जारी रही तो नुकसान और बढ़ सकता है। जिले के कई अन्य क्षेत्रों में किसानों ने गेहूं की कटाई कर फसल को खलिहानों में रखा है बारिश के कारण इन दानों के खराब होने का खतरा बढ़ गया है जिससे किसानों की चिंता और गहरी हो गई है। अमरहा और भमरहा जैसे इलाकों में भी कटाई के बाद रखी फसल पर मौसम का असर दिख रहा है। कृषि वैज्ञानिक डॉ. मृगेंद्र सिंह के अनुसार जिन खेतों में अभी तक कटाई नहीं हुई है वहां बारिश से गेहूं के दाने काले पड़ सकते हैं उन्होंने यह भी बताया कि कई स्थानों पर फसल गिरने से उत्पादन में गिरावट निश्चित है। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों तक मौसम का यही रुख बने रहने की संभावना जताई है।

समय-सीमा बैठक में कलेक्टर ने आवेदकों से सीधे संवाद कर लिया फीडबैक

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में जनसमस्याओं के त्वरित और प्रभावी समाधान को लेकर कलेक्टर विकास मिश्रा ने समय-सीमा बैठक में लंबित आवेदनों एवं समय-सीमा पत्रों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए उन्होंने स्पष्ट किया कि आम नागरिकों की समस्याओं का समय पर निराकरण प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। बैठक के दौरान कलेक्टर ने एक अभिनव पहल करते हुए गत एक सप्ताह में प्राप्त समय-सीमा वाले 5 महत्वपूर्ण आवेदनों का चयन किया और संबंधित आवेदकों से सीधे फोन पर संवाद कर फीडबैक लिया। उन्होंने आवेदकों से यह जानकारी प्राप्त की कि उनकी समस्याओं का समाधान संतोषजनक तरीके से हुआ है या नहीं इस पहल से न केवल कार्यों की पारदर्शिता बढ़ी, बल्कि अधिकारियों की जवाबदेही भी सुनिश्चित हुई। इस प्रक्रिया का सकारात्मक परिणाम भी सामने आया है। ग्राम साडा निवासी रामवती साकेत की वृद्धा पेंशन से जुड़ी समस्या का निराकरण कर दिया गया, जिससे उन्हें बड़ी राहत मिली। इसी प्रकार ग्राम डैनिहा के बाबूलाल रजक के संबल कार्ड में नाम सुधार की लंबित समस्या का भी समाधान कर दिया गया। वहीं ग्राम गेंदुरा में शासकीय हैंडपंप को अवैध कब्जे से मुक्त कराकर आमजन के उपयोग के लिए उपलब्ध कराया गया जिससे ग्रामीणों को पेयजल की सुविधा पुन: मिल सकी। कलेक्टर ने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य केवल कागजी कार्यवाही तक सीमित नहीं होना चाहिए बल्कि वास्तविक रूप से आम लोगों को राहत पहुंचाना आवश्यक है। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे प्राप्त आवेदनों की नियमित समीक्षा करें समय-सीमा का कड़ाई से पालन करें तथा निराकरण की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दें।

समय-सीमा बैठक : स्वास्थ्य, राजस्व एवं जनसेवा व्यवस्थाओं को लेकर कलेक्टर के सख्त निर्देश

चिरैया अभियान से किशोरी स्वास्थ्य जागरूकता को मिलेगा नया आयाम

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में प्रशासनिक कार्यों को अधिक प्रभावी और जनहितकारी बनाने के उद्देश्य से आयोजित समय-सीमा बैठक में कलेक्टर विकास मिश्रा ने विभिन्न विभागों की समीक्षा करते हुए स्वास्थ्य सेवाओं, राजस्व कार्यों और जनसेवा व्यवस्थाओं को लेकर महत्वपूर्ण निर्देश दिए उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रशासन की प्राथमिकता आम नागरिकों को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराना है। बैठक में कलेक्टर ने हाल ही में आयोजित स्वास्थ्य मेलों की

सफलता पर संतोष व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों की सराहना की। उन्होंने निर्देश दिए कि इन शिविरों का आयोजन निरंतर जारी रखा जाए तथा सामने आई चुनौतियों का विश्लेषण कर सुधारात्मक कदम उठाए जाएं ताकि अधिक से अधिक लोगों को इसका लाभ मिल सके। उन्होंने तहसीलदार, नायब तहसीलदार और जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को इन कार्यक्रमों में सक्रिय भूमिका निभाने के निर्देश भी दिए। चिरैया अभियान पर विशेष जोर कलेक्टर ने जिले के नवाचार चिरैया अभियान को विशेष प्राथमिकता देते हुए किशोरी बालिकाओं के स्वास्थ्य, पोषण और स्वच्छता के प्रति व्यापक जागरूकता फैलाने के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि यह अभियान केवल औपचारिकता तक सीमित न रहकर जमीनी स्तर पर प्रभावी होना चाहिए। इसके लिए मोबाइल वैन के माध्यम से गांव-गांव पहुंचकर बालिकाओं और महिलाओं को स्वास्थ्य सेवाएं एवं परामर्श उपलब्ध कराया जाएगा साथ ही मई माह में बड़े स्तर पर मेगा हेल्थ कैंप आयोजित करने के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने को कहा गया। कलेक्टर ने प्राकृतिक आपदा से प्रभावित लोगों को शीघ्र राहत प्रदान करने को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए राजस्व अधिकारियों को मौके पर पहुंचकर त्वरित सर्वे और निरीक्षण करने के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि फसल नुकसान, पशुधन हानि और मकान क्षति जैसे मामलों में संबंधित विभागों के बीच समन्वय बनाकर कार्य किया जाए ताकि पीड़ितों को समय पर सहायता मिल सके।

जनगणना 2026 : डिजिटल माध्यम से होगी पहली राष्ट्रीय गणना

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। देश में आगामी जनगणना 2026 को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। इस बार जनगणना पूरी तरह डिजिटल माध्यम से कराई जाएगी, जिसे देश की पहली 'डिजिटल जनगणना' के रूप में देखा जा रहा है प्रशासन ने इसे एक महत्वपूर्ण संवैधानिक दायित्व बताते हुए नागरिकों और कर्मचारियों से पूर्ण सहयोग की अपील की है सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार, जनगणना अधिनियम 1948 के तहत प्रत्येक नागरिक के लिए सही और सटीक जानकारी देना अनिवार्य है गलत जानकारी देना जानकारी छिपाना या गणना कर्मियों के कार्य में बाधा डालना दंडनीय अपराध माना जाएगा ऐसे मामलों में जुर्माना और कानूनी कार्रवाई की जा सकती है जनगणना कार्य में लगे अधिकारी और कर्मचारी-जैसे शिक्षक, पटवारी, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता-ड्यूटी से इनकार नहीं कर सकते यदि कोई कर्मचारी लापरवाही करता है अनुपस्थित रहता है या गलत जानकारी दर्ज करता है तो उसके खिलाफ विभागीय कार्रवाई के साथ जनगणना अधिनियम की धारा 11 के तहत जुर्माना या तीन माह तक की सजा का प्रावधान है फर्जी आंकड़े दर्ज करने या हेरफेर करने की स्थिति में सेवा समाप्ति तक की कार्रवाई संभव है इस बार जनगणना में मोबाइल ऐप और टैबलेट के माध्यम से डेटा एकत्र किया जाएगा सभी गणना कर्मियों को इसके लिए विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा जिसमें अनुपस्थिति को भी गंभीरता से लिया जाएगा इसके अलावा नागरिकों को 'सेल्फ एन्यूमरेशन' का विकल्प भी मिल सकता है जिसमें वे स्वयं अपनी जानकारी ऑनलाइन दर्ज कर सकेंगे।

जरूरतों तक विकास

संपादकीय

विकास महज योजना नहीं, सतत प्रयास की निरंतरता है। योजनाएं तो हिमाचल में बनती और बिगड़ती हैं, लेकिन विकास के बही खाते सच्चे और सार्थक तभी होते, जब उद्देश्यों के गुणात्मक फलक पर संभावनाएं संबोधित हों। ऐसे में हिमाचल सरकार के तीन साल बनाम आने वाले चुनाव के दो साल के बीच अब बहस के मसौदे बदल रहे हैं। हिमकेयर योजना पर सदन की बहस में इससे क्या फर्क पड़ेगा कि घोटाला कितने करोड़ का है, लेकिन इसकी निरंतरता में आई गिरावट का जिक्र जरूर होगा। कुछ इसी तरह आखिरी सालों में आ रही परिवहन निगम की नई बसों से यातायात में क्या अंतर आएगा, इसके बजाय जिक्र यह कि सदन में मुद्दे ने अपनी आवश्यकता बताई। हिमाचल अपने विकास के मामले में कहीं आवश्यकता से अधिक, तो कहीं निरंतरता में कमजोर रहा है। नए स्कूलों की परिधि में विकास की आवश्यकता को पहचाना ही नहीं गया, नतीजतन स्कूलों को डिनोटिफाई करने का सिलसिला जारी है। बीस मार्च की अधिसूचना के अनुसार राज्य में शून्य छात्र संख्या के 36 सरकारी स्कूल डिनोटिफाई हो गए। कुछ यही हाल कालेज, मेडिकल कालेजों और विश्वविद्यालयों की संख्या बढ़ाने से भी हुआ। सरकार एड़ी चोटी का प्रयास करते हुए मेडिकल कालेजों में सुविधाएं बढ़ा रही है, लेकिन चिकित्सा का मूल आधार डिस्पेंसरी से शुरू होता है। यही आवश्यकता निजी क्षेत्र की उपलब्धि बन जाती है। हिमाचली मरीज के समीप मेडिकल कालेज हमेशा खड़ा नहीं होगा, बल्कि चिकित्सकीय निकटता के लिए अब डिस्पेंसरी, सिविल, क्षेत्रीय व जोनल अस्पतालों में तत्परता चाहिए। निजी अस्पताल अपनी कोशिश को इतना भरोसेमंद बना देते हैं कि मरीज इस एहसास को अंगीकार कर लेता है। विकास में समय और समय सीमा में विकास के अर्थ को हिमाचल में समझने की जरूरत है। उदाहरण के लिए हिमाचल में पर्यटक सीजन शुरू है, तो इस समय को रेखांकित करने की तत्परता कहां है। सदन में बहस के दौरान हर विधायक किसी न किसी तरह के विकास, योजनाओं या परियोजनाओं पर केंद्रित रहा, लेकिन किसने पर्यटन के रथ पर बैठ कर विकास की योजनाओं को इंगित किया। हमारा दस्तूर अब विकास की खिचड़ी है, चाहे इसमें वास्तविक सामग्री हो या न हो। एक सरकार भवन बनाती रही, तो दूसरी के आने के बाद मालूम हुआ कि इनमें से हजार बेकार हैं, लेकिन जहां आवश्यकता है वहां बनाती नहीं। धर्मशाला में एक दशक से बस स्टैंड का निर्माण प्रयासरत है, लेकिन बनता नहीं। यहां उस सतत प्रयास की तारीफ करें कि फिर भी एक स्वर्गीय नेता के नाम पूरा परिसर हो जाता है। इसी धर्मशाला में प्रदेश के पहले ट्यूलिप गार्डन के प्रस्ताव में दस करोड़ के करीब खर्च हो जाते, लेकिन आज तक एक भी फूल खिला नहीं।

विज्ञान आधारित स्वास्थ्य क्रांति की ओर बढ़ती दुनिया

योगेश कुमार गोयल

दुनिया के प्रत्येक व्यक्ति को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने और वैश्विक स्वास्थ्य मानकों में सुधार लाने के उद्देश्य के साथ विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के बैनर तले प्रतिवर्ष 7 अप्रैल को एक खास थीम के साथ 'विश्व स्वास्थ्य दिवस' मनाया जाता है। इस दिवस को मनाए जाने का प्रमुख उद्देश्य स्वास्थ्य को लेकर विश्व में प्रत्येक व्यक्ति को बीमारियों के प्रति जागरूक करना, लोगों के स्वास्थ्य स्तर को सुधारना और हर व्यक्ति को इलाज की अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना ही है। पूरी दुनिया इस साल 'स्वास्थ्य के लिए एकजुट रहें, विज्ञान के साथ खड़े रहें' विषय के साथ 76वां विश्व स्वास्थ्य दिवस मना रही है। यदि पिछले कुछ वर्षों की स्वास्थ्य दिवस की थीम पर नजर डालें तो 2025 का विषय था 'स्वस्थ शुरुआत, आशापूर्ण भविष्य', 2024 में यह दिवस 'मेरा स्वास्थ्य, मेरा अधिकार', 2023 में 'सभी के लिए स्वास्थ्य', 2022 में 'हमारा ग्रह, हमारा स्वास्थ्य', 2021 में 'सभी के लिए एक निष्पक्ष, स्वस्थ दुनिया का निर्माण', 2020 में 'नर्सों और दाईयों का समर्थन करें' तथा 2019 में 'सार्वभौमिक स्वास्थ्यः हर कोई, हर जगह' विषय के साथ मनाया गया था। इस वर्ष का विषय न केवल वैश्विक सहयोग को सुदृढ़ करने का आह्वान करता है बल्कि भ्रामक सूचनाओं के इस दौर में वैज्ञानिक प्रमाणों पर जन-विश्वास को पुनर्स्थापित करने और साक्ष्य-आधारित नीतियों के माध्यम से मानवता की रक्षा करने पर केंद्रित है।

'विश्व स्वास्थ्य दिवस' मनाए जाने की शुरूआत डब्ल्यूएचओ द्वारा 7 अप्रैल 1950 को की गई थी और यह दिवस मनाने के लिए इसी तारीख का निर्धारण डब्ल्यूएचओ की संस्थापना वर्षगांठ को चिन्हित करने के उद्देश्य से ही किया गया था। डब्ल्यूएचओ की स्थापना के साथ ही 1948 में विश्व स्वास्थ्य दिवस की नींव भी रख दी गई थी। दरअसल उस समय लोगों की सेहत को बढ़ावा देने और उन्हें गंभीर बीमारियों से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से दुनिया के कई देशों ने मिलकर दुनियाभर में ठोस कार्य करने की जरूरत पर बल दिया और आखिरकार विश्व स्वास्थ्य दिवस की नींव रखने के दो वर्ष बाद सन् 1950 में पहली बार 7 अप्रैल को यह दिवस मनाया गया। संयुक्त राष्ट्र का अहम हिस्सा 'डब्ल्यूएचओ' दुनिया के तमाम देशों की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं पर आपसी सहयोग और मानक विकसित करने वाली संस्था है, जिसका प्रमुख कार्य विश्वभर में स्वास्थ्य समस्याओं पर नजर रखना और उन्हें सुलझाने में सहयोग करना है। इस संस्था के माध्यम से प्रयास किया जाता है कि दुनिया का प्रत्येक व्यक्ति शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक रूप से पूर्ण स्वस्थ रहे।

हालांकि चिंता की स्थिति यह है कि पिछले कुछ दशकों में एक ओर जहां स्वास्थ्य क्षेत्र ने काफी प्रगति की है, वहीं कुछ वर्षों के भीतर एड्स, कैंसर जैसी जानलेवा बीमारियों के प्रकोप के साथ हृदय रोग, मधुमेह, क्षय रोग, मोटापा, तनाव जैसी स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी तेजी से बढ़ी हैं। ऐसे में स्वास्थ्य क्षेत्र की चुनौतियां निरन्तर बढ़ रही हैं। वैसे तो दुनिया के तमाम देश बीते कुछ दशकों से स्वास्थ्य के क्षेत्र में लगातार प्रगति कर रहे हैं लेकिन कोरोना काल के दौरान जब अमेरिका जैसे विकसित देश को भी बेबस अवस्था में देखा गया और वहां भी स्वास्थ्य कर्मियों के लिए जरूरी सामान की भारी कमी नजर आई, तब पूरी दुनिया को अहसास हुआ कि अभी भी जन-जन तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के लिए बहुत कुछ किया जाना बाकी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन स्वयं मानता है कि दुनिया की कम से कम आधी आबादी को आज भी आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध नहीं हैं। विश्वभर में अरबों लोगों को स्वास्थ्य देखभाल हासिल नहीं होती। करोड़ों लोग ऐसे हैं, जिन्हें रोटी, कपड़ा और मकान जैसी मूलभूत आवश्यकताओं तथा स्वास्थ्य देखभाल में से किसी एक को चुनने पर विवश होना पड़ता है। भारतीय समाज में तो सदियों से धारणा रही है 'पहला सुख निरोगी काया, दूजा सुख घर में हो माया' लेकिन चिंता का विषय यही है कि हमारे यहां भी स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति बहुत खराब है। बहरहाल, विश्व स्वास्थ्य दिवस के माध्यम से जहां समाज को बीमारियों के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया जाता है, वहीं इसका सबसे महत्वपूर्ण बिन्दु यही होता है कि लोगों को स्वस्थ वातावरण बनाकर स्वस्थ रहना सिखाया जा सके।

माता-पिता बुजुर्गों की देखभाल न करने पर सरकार का त्वरित डंडा चलेगा

वेतन से 15 प्रतिशत कटौती कर सीधे माता- पिता बुजुर्गों के अकाउंट में डीबीटी -तेलंगाना राज्य का हस्तक्षेपः बुजुर्गों की सुरक्षा की नई दिशा पिता की देखभाल न करने पर वेतन से 15 प्रतिशत त्वरित कटौतीः सामाजिक न्याय ,नैतिक जिम्मेदारी और कानून के बीच संतुलन काबिल-ए-तारीफ़ कर्मचारी जवाबदेही एवं माता- पिता सहायता निगरानी विधेयक , 2026 न केवल एक कानूनी कदम ,बल्कि यह सामाजिक चेतना को झकझोरने वाला ऐतिहासिक हस्तक्षेप जिसका संज्ञान सभी राज्यों ने लेना जरूरी वैश्विक स्तरपर आज का समाज अभूतपूर्व परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है।तकनीकी उन्नति , वैश्वीकरण और आर्थिक प्रतिस्पर्धा ने जहां जीवन को सुविधाजनक बनाया है ,वहीं पारिवारिक संरचनाओं और संबंधों के स्वरूप को भी गहराई से प्रभावित किया है।कभी संयुक्त परिवारों में पनपने वाली भावनात्मक सुरक्षा और सामूहिक जिम्मेदारी अब तेजी से एकल परिवारों में सिमटती जा रही है।

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

इस परिवर्तन के बीच सबसे अधिक प्रभावित वर्ग है,बुजुर्ग माता-पिता। जीवन के उस चरण में,जब उन्हें सबसे अधिक सहारे,सम्मान और देखभाल की आवश्यकता होती है, वे अक्सर उपेक्षा,अकेलेपन और आर्थिक असुरक्षा का सामना करते हैं।ऐसे समय में तेलंगाना राज्य द्वारा पारित कर्मचारी जवाबदेही एवं माता-पिता सहायता निगरानी विधेयक 2026 न केवल एक कानूनी कदम है, बल्कि यह सामाजिक चेतना को झकझोरने वाला ऐतिहासिक हस्तक्षेप भी है।इस विधेयक का मूल संदेश स्पष्ट और कठोर है यदि कोई संतान अपने माता-पिता की देखभाल से मुंह मोड़ती है, तो राज्य उसके निजी दायित्व को लागू करने के लिए सटीक रूप से हस्तक्षेप करेगा।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं ने गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि यह विचार अपने आप में क्रांतिकारी है,क्योंकिपारिवारिक संबंधों को अब तक निजी और नैतिक क्षेत्र माना जाता रहा है, जहां कानून की भूमिका सीमित थी। परंतु जब नैतिकता विफल हो जाती है, तब कानून का हस्तक्षेप अनिवार्य हो जाता है। यह विधेयक इसी सिद्धांत पर आधारित है कि बुजुर्गों की उपेक्षा केवल व्यक्तिगत असफलता नहीं, बल्कि एक सामाजिक अपराध है, जिसका समाधान केवल सामाजिक उपदेशों से नहीं, बल्कि कठोर कानूनी प्रावधानों से ही संभव है। एक अधिवक्ता व लेखक के रूप में मैं यह सुझाव देना चाहूंगा के कि इस विधेयक को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। उदाहरण के लिए, वेतन कटौती की सीमा को 15 प्रतिशत से बढ़ाकर 25 प्रतिशत और अधिकतम राशि को 10,000 रुपये से बढ़ाकर 25,000 रुपये किया जा सकता है,ताकि यह अधिक प्रभावी और निवारक बन सके। साथियों बात अगर हम अब क्या ऐसा कानून सभी राज्यों में लागू किया जाना चाहिए? इसको समझने की करें तो इस प्रश्न का उत्तर सीधा सखूती से हां में है, क्योंकि इसके कई सामाजिक, आर्थिक और कानूनी पहलू हैं। एक ओर यह कानून वृद्ध माता-पिता के अधिकारों की रक्षा करने का एक सशक्त माध्यम बन सकता है। यह उन संतान को जिम्मेदारी का एहसास कराएगा जो आर्थिक रूप से सक्षम होते हुए भी अपने माता-पिता की उपेक्षा करते हैं। इससे समाज में एक सकारात्मक संदेश जाएगा कि माता-पिता की सेवा केवल एक विकल्प नहीं बल्कि एक अनिवार्य कर्तव्य है इसके अलावा, इस कानून को पूरे देश में लागू करने के लिए केंद्र सरकार को पहल करनी चाहिए। यदि सभी राज्य इस मॉडल को अपनाते हैं, तो यह बुजुर्गों की सुरक्षा के लिए एक मजबूत राष्ट्रीय ढांचा तैयार कर सकता है।हालांकि, यह स्पष्ट करना जरूरी है कि अभी तक भारत के किसी भी राज्य या केंद्र सरकार द्वारा ऐसा कोई व्यापक कानून लागू नहीं किया गया है,जिसमें सीधे वेतन से 15प्रतिशत कटौती का प्रावधान अनिवार्य रूप से लागू हो। कुछ मामलों में न्यायालयों ने व्यक्तिगत परिस्थितियों के आधार पर वेतन से भरण- पोषण राशि काटने के आदेश दिए हैं, लेकिन यह एक सामान्य कानून नहीं बल्कि केस-टू-केस आधार पर लिया गया निर्णय होता है।

साथियों बात अगर हम बुजुर्गों के व्यथा को समझने की करें तो बुढ़ापा जीवन का एकअपरिहार्य सत्य है। यह वह अवस्था है, जहां शारीरिक और मानसिक क्षमताएं धीरे-धीरे क्षीण होने लगती हैं। बीमारियां बढ़ती हैं,आय के स्रोत समाप्त हो जाते हैं और व्यक्ति पूरी तरह से दूसरों पर निर्भर हो जाता है।भारतीय संदर्भ में यह निर्भरता मुख्यतः संतान पर होती है,क्योंकि अधिकांश लोगअपनी जीवन भर की कमाई अपने बच्चों की शिक्षा, विवाह और भविष्य निर्माण में खर्च कर देते हैं। सरकारी कर्मचारियों को पेंशन का सहारा मिल सकता है, लेकिन निजी क्षेत्र के बुजुर्गों के लिए यह स्थिति और भी चुनौतीपूर्ण होती है। ऐसे में यदि संतान भी उनका साथ छोड़ दे, तो यह स्थिति उनके लिए अत्यंत कष्टदायक और अमानवीय बन जाती है। साथियों बात कर हम तेलंगाना विधानसभा द्वारा 29 मार्च 2026 क़ो पारित विधेयक को समझने की करें तो यह विधेयक इसी समस्या का समाधान प्रस्तुत करता है। इसके तहत यदि कोई कर्मचारी चाहे वह सरकारी हो या निजी अपने माता-पिता की देखभाल में लापरवाही करता है, तो उसके वेतन से 15 प्रतिशत या अधिकतम 10,000 रुपये प्रति माह की कटौती की जाएगी और यह राशि सीधे माता-पिता के बैंक खाते में जमा कराई जाएगी। यह प्रावधान न केवल आर्थिक सहायता सुनिश्चित करता है,बल्कि यह एक सशक्त संदेश भी देता है कि संतान अपने दायित्व से बच नहीं सकती।यह कानून जनप्रतिनिधियों जैसे विधायक, सरपंच पर भी लागू होता है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि जवाबदेही सभी के लिए समान है।इस विधेयक की एक विशेषता इसकी स्पष्ट और समयबद्ध प्रक्रिया है। यदि माता-पिता को लगता है कि उनके साथ उपेक्षा हो रही है, तो वे जिला कलेक्टर के पास शिकायत दर्ज करा सकते हैं। कलेक्टर को 60 दिनों के भीतर मामले की जांच कर निर्णय देना अनिवार्य है। यदि शिकायत सही पाई जाती है, तो वेतन कटौती का आदेश जारी किया जाता है।

राजनीति के मायने बदले, समाज के बदल गए आईने

शिव बालक पांडेय

बहुत दिनो से सुन रहा हूं, पढ़ रहा हूं इसलिए कुछ महसूस भी कर रहा हूं। लगता है कि कुछ लिखूं, लेकिन लेखनी की कदर किसी काबिलियत से नहीं पद और कद के रास्ते से गुजरती है।न कद न काठी,पद भी आज के किस काम का। आज का समय तो मोक्षमार्गी समझे जाने वाले कुबेर भंडार की सक्षमता के चारों ओर परे- परे परिक्रमा करने का है अथवा साष्टांग दंडवत का। बचा कुचा चापलूसी की संजीवनी में, चाटुकारिता के एंटीबायोटिक में।इतने प्रकार के भोग लगाने की सामर्थ्य सबके पास तो नहीं है जबकि भोगी इसी के अभिलाषी हो चुके हैं। भद्रता एवं भाईचारा की भाव – भाषा का अकाल पड़ चुका , ज्यादातर मंच माइक झूठ, फरेब, अभद्रता एवं गाली गलौज का मंत्र जगाने की जगह बन चुके हैं। जनता हवन कुंड की भांति है, जिसके सामने बोल-बोलकर सिर्फ स्वाहा किया जा रहा है। अंधाधुंध धुआं उड़ रहा है। भद्दे मुखौटों, की उद्देश्य हीनता ,दिशाहीनता, धोखाधड़ी, भ्रष्ट, पतित, अनैतिक और अमानवीयता से सराबोर , वर्तमान दौर में निष्ठा ईमानदारी एवं समर्पण किंतु आर्थिक विपन्नता लाचारी एवं असमर्थता के कारण उसे पैरों तले कुचलना ही लक्ष्य मान बैठे हैं।

द्वार पर जमें याचकों , हाथ में अर्जी लिए निवेदकों, को झटकारते ,जनसमूह को चीरते हुए जिम्मेदार निर्वाचित प्रतिनिधि की चमचमाती गाड़ी पों- पों, हर्र-हों करते जब किसी ओर मुड़े तो मान लिया जा रहा है की दुनिया से कोई अलविदा हो गया होगा। आया है सो जाएगा।लेकिन जिम्मेदार प्रतिनिधियों के साथ ऐसे गमगीन समय में भी फोटोग्राफरों की तैनाती परलोकवासी प्रतिमा के सामने हाथ जोड़कर खड़े होते ही मौजूद फोटहवेन की घोड़दउर दुखद घड़ी में क्या उपहास नहीं लगती । फोटोऑप्शन में उंगली पहुंची, फोटो खिंची, कुर्ता झाड़ते, दूसरी की ओर रवाना । अंतिम संस्कार में पहुंचने पर सात लकड़ियां समर्पित करते वक्त, 11वें दिन कर्म के दौरान निकली हुई बत्तीसी की फोटो ऐंचाने के साथ ही अपना मकसद तो पूरा मान सकते हैं लेकिन हर देखने वाले के लिए प्रशंसनीय नहीं हो सकता। लगभग हर पार्टी में कार्यकर्ता नेटवर्क भी इतना अलर्ट है कि सुख एवं जन समस्याओं की सूचना महीनों भले न पहुंचे किंतु कहीं पर भी गम का समाचार पहुंचने में प्रकाश की चाल से भी ज्यादा तेज रफ्तार। ।एक दिशा में गाड़ी और घूमती है जहां कोई निजी उत्सव परिवारिक एवं मांगलिक कार्यक्रम संपन्न होता है। वर कन्या के सिर के थोड़ा सा ऊपर हाथ लहराते हुए सुखमय दांपत्य जीवन की कामना । ऐसा प्रतीत होता है की निर्वाचित जनप्रतिनिधि कई प्रकार से अपने मूल दायित्वों से हटकर खोखली सहृदयता एवं दिखावटी अपनत्वता मन ही मन पाले रहते हैं ।

हे !भद्र प्रतिनिधियों, दुखद समय, में श्रेष्ठ जनों द्वारा सांत्वना के लिए, मांगलिक, पारिवारिक, कार्यक्रमों एवं उत्सवों में शामिल होना तो अच्छा एवं सराहनीय है लेकिन वोटो के भारी समर्थन से जीत का जो असली लक्ष्य है उसे पीछे छोड़ना राजनीति के बदलते मायने की असली त्रासदी भी मानना चाहिए । जो काम जिसे सौंपा गया या परंपरागत रूप से मिला है उसे निष्ठा समर्पण एवं ईमानदारी पूर्वक करने से कार्यकाल को यादगार बनाया जा सकता है। जन प्रतिनिधियों का समय मानवीय मूल्यों की रक्षा के लिए सामाजिक आदर्श के लिए है, शिक्षा, चिकित्सा, शुद्ध पेयजल ,बिजली, सड़क जैसी मूलभूत अन्यान्य आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए है, उनका वक्त अत्यधिक मूल्यवान है। सम्राट अशोक युद्ध का रास्ता छोड़कर अपना सारा समय शिक्षा, चिकित्सा एवं हरे भरे बाग लगाने में खपत किया। दुबला तन ढकने मात्र के लिए वस्त्र, हाथ में छड़ी न कोई पद, न अस्त्र न शस्त्र फिर भी राष्ट्रपिता गांधी जी के एक इशारे पर भारतवासियों में इस तरह जुनूंन पैदा हुआ की युवाओं का विशाल हुजूम, एकजुट होकर आजादी के संग्राम के बहादुर सैनिक बन गए। अधिकांश जनप्रतिनिधि अपना समय जन्मदिवस का केक काटने, शादी सालगिरह के भोंड़े प्रदर्शन एवं वनावटी किरदार की चादर ओढ़ कर अपनी उपस्थिति का पाखंड दिखा कर अपने पीछे कार्यकर्ताओं की एक लंबी फेहरिस्त की दिशा को, राजनैतिक के बजाय पाखंड आडंबर एवं ढकोसलागीरी सीखने हेतु लकीर के फकीर बना रहे हैं। इतना ही नहीं कभी उज्जर कभी पियर वस्त्र कभी कभार चंदन भी, किसी-न-किसी प्रकार का यह बहुरूपियापन भी कम हास्यास्पद नहीं । जनप्रतिनिधियों का एक-एक पल मूल्यवान है, जन भावनाओं के साथ कुठाराघात एवं लोकतंत्र में प्रतिनिधियों द्वारा अपने ही समय के जवाब देही पर इस कदर हमला क्यों ? ,मूल कर्तव्य से ध्यान भटकाना और उसी में अपना भी समय गुजरना नेक नीयत बन गई । जिस काम के लिए निर्वाचित हुए हो उस काम के लिए एक सजक प्रहरी की भांति फर्ज निर्वहन में ही भलाई है। धर्माचार्यों,पुरोहितों, बिना चुनाव लड़े सामाजिक कार्यकर्ताओं, पौनी परजा, किसान मजदूरों, को भी कुछ छोड़ देना चाहिए।

अब एक चलन और जोरों पर है जनप्रतिनिधि एवं श्रेष्ठ नेता जब राजनैतिक मंचों पर मंचासीन होकर स्वयं गुलदस्ता की भांति शोभा बन जाते हैं किंतु एक पैर का जूता उतार कर मौजा टांचे हुए पैर जांग पर टिकाकर उसकी दिशा अगल-बगल बैठे श्रेष्ट जनों यदा कदा महापुरुषों एवं देवी-देवताओं की स्थापित प्रतिमा की सुध - बुध भूल कर मंच में तलवा का जलवा दिखाते हुए संघरे हुए, सहजता से देखे जा सकते हैं।

अशोक खरात जैसे ढोंगी बाबाओं पर लगाम कब लगेगी ?

आखिरकार समाज में आस्था के नाम पर पनप रहे ऐसे अनगिनत ढोंगी बाबाओं पर लगाम कब और कैसे लगेगी यह गहरा प्रश्नचिन्ह गहरा रहा है। ऐसे में समाज में जागरूकता, कानून का सख्त पालन और सामाजिक जिम्मेदारी साथ-साथ नहीं चलेंगे, तब तक ऐसे मामले सामने आते रहेंगे। हाल के समय में अशोक खरात (कैप्टन बाबा) को लेकर जो आरोप और विवाद सामने आए हैं, उन्होंने समाज में गहरी चिंता पैदा की है। खुद को धार्मिक या सामाजिक नेता बताने वाले ऐसे व्यक्तियों का आचरण जब नैतिकता और कानून के दायरे से बाहर जाता है, तो वह न केवल अपने अनुयायियों का भरोसा तोड़ता है बल्कि पूरे समाज को बदनाम करता है।

सौरभ वार्ष्णेय

कहा जाता है कि बाबा के नाम पर लोगों की आस्था का फायदा उठाकर कई तरह की अनियमितताएँ और शोषण किए जाते हैं। यदि इन आरोपों में सच्चाई है, तो यह न केवल व्यक्तिगत अपराध है बल्कि समाज की संवेदनाओं के साथ धोखा भी है। आस्था का स्थान हमेशा पवित्र माना गया है, और जब उसी का दुरुपयोग होता है, तो उसका असर व्यापक होता है।ऐसे मामलों में सबसे बड़ी जिम्मेदारी कानून और प्रशासन की होती है कि वे निष्पक्ष जांच करें और दोषी पाए जाने पर सख्त कार्रवाई करें। साथ ही समाज को भी जागरूक रहने की जरूरत है, ताकि अंधभक्ति और बिना जांच-पड़ताल के किसी के पीछे चलने से बचा जा सके। यदि कोई व्यक्ति समाज सेवा या धर्म के नाम पर गलत कार्य करता है, तो वह सच में समाज के नाम पर कलंक ही कहलाएगा। ऐसे मामलों में सख्ती, पारदर्शिता और जागरूकता ही सबसे बड़ा समाधान है। समाज में जब भी कोई स्वयंभू संत, बाबा या चमत्कारी व्यक्ति तेजी से प्रसिद्धि पाता है, तो उसके पीछे केवल आम लोगों की आस्था ही नहीं, बल्कि प्रभावशाली और रसूखदार लोगों का समर्थन भी बड़ा कारण होता है। अशोक खरात उर्फ कैप्टन बाबा' के मामले में भी यही सवाल उठता है कि आखिर वीवीआईपी लोग

उनके पास क्यों जाते थे? सबसे पहले, आस्था और अंधविश्वास का मिश्रण इस प्रवृत्ति की जड़ में है। सत्ता और पैसे के शिखर पर बैठे लोग भी जीवन की अनिश्चितताओं–राजनीतिक भविष्य, स्वास्थ्य, परिवार या सत्ता की स्थिरता–को लेकर असुरक्षित महसूस करते हैं। ऐसे में वे चमत्कार या आशीर्वाद की तलाश में इन बाबाओं की शरण लेते हैं। दूसरा कारण है प्रभाव और नेटवर्किंग। कई बार ऐसे बाबा केवल धार्मिक व्यक्तित्व नहीं होते, बल्कि वे एक पावर हब बन जाते हैं, जहां नेता, अधिकारी और व्यवसायी एक-दूसरे से जुड़ते हैं। इस तरह उनके दरबार एक अनौपचारिक नेटवर्किंग मंच में बदल जाते हैं, जहां संपर्क बनाना आसान होता है।तीसरा पहलू है छवि निर्माण किसी लोकप्रिय बाबा के साथ दिखना कुछ नेताओं के लिए जनता के बीच धार्मिक और संस्कारी छवि बनाने का माध्यम बन जाता है। इससे वे अपने वोट बैंक को मजबूत करने की कोशिश करते हैं।चौथा और चिंताजनक कारण है व्यक्तिगत लाभ और संरक्षण की उम्मीद। कुछ लोग यह मानते हैं कि ऐसे बाबा उनके काम बनवा सकते हैं, समस्याएं सुलझा सकते हैं या उन्हें किसी तरह का आध्यात्मिक संरक्षण दे सकते हैं। यह मानसिकता लोकतांत्रिक और वैज्ञानिक सोच के लिए खतरनाक है।

लेकिन इस पूरे प्रकरण का सबसे गंभीर पहलू यह है कि जब वीवीआईपी स्तर के लोग ऐसे व्यक्तियों के पास जाते हैं, तो आम जनता में उनकी विश्वसनीयता स्वतः बढ़ जाती है। इससे अंधविश्वास को बढ़ावा मिलता है और समाज में तर्क और विवेक की जगह कमजोर पड़ती है। यह जरूरी है कि समाज–विशेषकर प्रभावशाली वर्ग–तर्क, वैज्ञानिक सोच और पारदर्शिता को प्राथमिकता दे। किसी भी व्यक्ति को बिना प्रमाण और जवाबदेही के चमत्कारी मान लेना न केवल व्यक्तिगत स्तर पर, बल्कि सामाजिक स्तर पर भी नुकसानदायक हो सकता है। अशोक खरात उर्फ कैप्टन बाबा का नाम हाल के वर्षों में उनकी अकूत संपत्ति और गंभीर आपराधिक आरोपों के कारण देशभर में चर्चा का विषय बन गया है। नासिक से शुरू हुआ यह मामला केवल एक तथाकथित धार्मिक गुरु' की कहानी नहीं, बल्कि आस्था के नाम पर खड़े किए गए एक विशाल और संदिग्ध साम्राज्य का खुलासा है। जांच एजेंसियों के अनुसार, अशोक खरात ने खुद को ज्योतिषी, तांत्रिक और चमत्कारी शक्तियों वाला व्यक्ति बताकर लोगों, खासकर महिलाओं का विश्वास जीता। इसी विश्वास का दुरुपयोग कर उन्होंने न केवल आर्थिक लाभ अर्जित किया, बल्कि शोषण और ब्लैकमेलिंग जैसे गंभीर अपराधों को भी अंजाम दिया।सबसे चौंकाने वाला पहलू उनकी संपत्ति को लेकर सामने आया है। विभिन्न रिपोर्ट्स के अनुसार, उनके पास सैकड़ों करोड़ रुपये की संपत्ति होने का अनुमान है–कुछ जगहों पर यह आंकड़ा 200 करोड़ से लेकर 500 करोड़ और यहां तक कि 1500 करोड़ रुपये तक बताया गया है। यह संपत्ति न केवल उनके नाम पर, बल्कि पत्नी, बेटी और अन्य रिश्तेदारों के नाम पर भी पाई गई, जिससे बेनामी निवेश और मनी लॉन्ड्रिंग की आशंका मजबूत होती है।जांच में यह भी सामने आया कि इस तथाकथित आध्यात्मिक साम्राज्य के पीछे एक संगठित तंत्र काम कर रहा था–जिसमें कोड लैंग्वेज, गुप्त कैमरे और ब्लैकमेलिंग के नेटवर्क शामिल थे।इसके अलावा, उनके पास से सैकड़ों आपत्तिजनक वीडियो और दस्तावेज भी बरामद किए गए हैं, जो इस पूरे नेटवर्क की गहराई को दर्शाते हैं। यह मामला केवल व्यक्तिगत अपराध तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसके तार राजनीति और प्रशासन तक भी जुड़ते दिखाई दिए हैं, जिससे इसकी गंभीरता और बढ़ जाती है। अशोक खरात का मामला केवल एक व्यक्ति की अकूत संपत्ति का नहीं, बल्कि उस तंत्र का प्रतीक है जिसमें अंधविश्वास, लालच और सत्ता का गठजोड़ समाज के लिए गंभीर खतरा बन जाता है।

जग्गी हत्याकांड का आरोपी अमित जोगी

20 साल बाद अमित जोगी को उम्रकैद: हाईकोर्ट बोला समान साक्ष्य में आरोपी से भेदभाव नहीं होगा, 20 अप्रैल को होगी सुनवाई

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित रामावतार जग्गी हत्याकांड में हाईकोर्ट ने पूर्व मुख्यमंत्री अजीत जोगी के बेटे अमित जोगी को उम्रकैद की सजा सुनाई है कोर्ट ने कहा कि जब सभी आरोपियों पर एक ही अपराध में शामिल होने का आरोप हो तो किसी एक आरोपी के साथ जानबूझकर अलग व्यवहार नहीं किया जा सकता। अदालत ने यह भी कहा कि जब सभी आरोपियों के खिलाफ एक जैसे सबूत हों तो किसी एक को बरी कर देना और बाकी को उन्हीं सबूतों के आधार पर दोषी ठहराना सही नहीं है जब तक कि उसे छोड़ने का कोई ठोस और अलग कारण साबित न हो। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस अरविन्द वर्मा की स्पेशल डिविजनल बेंच ने फैसला सुनाया है। अमित जोगी को द्वारा 302 और 120-बी के

तहत दोषी ठहराते हुए उम्रकैद और 1000 रुपए जुर्माने की सजा दी गई जुर्माना न देने पर 6 महीने अतिरिक्त सजा होगी। हाईकोर्ट ने अमित जोगी को 3 हफ्ते में सरेंडर करने का आदेश दिया है इसके खिलाफ जोगी ने सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर की थी जिसे सुप्रीम कोर्ट ने स्वीकार कर लिया है सुनवाई 20 अप्रैल को होगी। विद्याचरण शुक्ल ने जग्गी को छत्तीसगढ़ में कोषाध्यक्ष बनाया था। सुप्रीम कोर्ट से अमित जोगी को फिलहाल कोई राहत नहीं मिली है हालांकि कोर्ट ने मामले को सुनवाई के लिए स्वीकार कर लिया है और 20 अप्रैल को इसकी सुनवाई होगी। जोगी की ओर से दो आदेशों को चुनौती दी गई है पहला जिसमें अपील करने की अनुमति दी गई और दूसरा

हाईकोर्ट का वह फैसला जिसमें उन्हें हत्या का दोषी ठहराते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई गई। दोनों मामलों को सुप्रीम कोर्ट ने एक साथ सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया है प्रारंभिक सुनवाई जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संजीव मेहता की बेंच में हुई जोगी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल, मुकुल रोहतगी, विवेक तन्खा और सिद्धार्थ दवे ने पक्ष रखा। वकीलों ने दलील दी कि हाईकोर्ट ने अपने फैसलों में प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का पालन नहीं किया और बिना सुनवाई का मौका दिए आदेश पारित कर दिए सुप्रीम कोर्ट ने जोगी को 20 अप्रैल से पहले अंतिम निर्णय के खिलाफ अपील करने की छूट दी है, ताकि सभी मामलों की एक साथ सुनवाई की जा सके। 4 जून 2003 को राजधानी रायपुर में एनसीपी नेता रामावतार जग्गी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी इस मामले में 31 अभियुक्त बनाए गए थे, जिनमें से बल्लू पाठक और सुरेंद्र सिंह सरकारी गवाह बन गए थे। अमित जोगी को छोड़कर बाकी 28 लोगों को सजा मिली थी।

एक चेहरा, कई नाम, खरीदी 5 से ज्यादा सिम तो, बेचने वाले पर एफआईआर

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम में एक ही व्यक्ति द्वारा अलग-अलग नामों पर सिम कार्ड खरीदने का मामला सामने आया है आरोपी ने एक ही चेहरे का इस्तेमाल कर पांच से अधिक सिम कार्ड हासिल किए। मामले का खुलासा राज्य पुलिस साइबर सेल ने किया जिसके बाद कोतवाली थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज किया है आरोपी की पहचान जय भाटिया निवासी लश्कर चौक, ग्वालटोली के रूप में हुई है। वह कैनोपी (छतरी) लगाकर मोबाइल सिम बेचने का काम करता था। पुलिस के अनुसार, वह ग्राहकों से आधार कार्ड लेकर उनकी लाइव फोटो के आधार पर सिम जारी करता था एसआई जितेंद्र सिंह चौहान के मुताबिक आरोपी बाद में उन आधार कार्ड को चिन्हित करता था, जिनमें फोटो स्पष्ट नहीं होती थी। फिर उन्हीं दस्तावेजों के आधार पर दूसरी सिम जारी कर लेता था लेकिन इस बार फोटो अपनी लगाता था इस तरीके से उसने पांच से अधिक सिम कार्ड हासिल किए टेलीकॉम कंपनी ने एक ही चेहरे के साथ अलग-अलग आधार नंबर और विवरण पाए जाने पर संदेह जताया इसके बाद मामले की जानकारी राज्य पुलिस साइबर सेल को दी गई जांच में धोखाधड़ी की पुष्टि होने पर साइबर सेल ने नर्मदापुरम पुलिस को कार्रवाई के लिए पत्र भेजा। पुलिस के अनुसार आरोपी जय भाटिया के खिलाफ इसी तरह का एक मामला बुधनी थाने में भी दर्ज है फिलहाल वह सीहोर जिले के भेरूंदा जेल में बंद है कोतवाली पुलिस आरोपी को पूछताछ के लिए नर्मदापुरम लाएगी इसके बाद यह स्पष्ट होगा कि उसने इन सिम कार्ड का उपयोग कहां और किस उद्देश्य से किया।

सड़क दुर्घटना में मृतकों के परिजनों को आर्थिक सहायता की स्वीकृत

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। छत्तीसगढ़ राज्य सरकार द्वारा सड़क दुर्घटनाओं में मृत व्यक्तियों के परिवारों के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने की योजना के तहत, भरतपुर के अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कार्यालय ने मृतकों के परिजनों को सहायता राशि स्वीकृत की है यह कदम राज्य सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप उठाया गया है जिससे पीड़ित परिवारों को आर्थिक संबल मिल सके। वहीं इस आदेश के अनुसार ग्राम जनकपुर निवासी स्वर्गीय जोहनदास के विधिक वारिस एन्थोनीदास (पिता घासीदास) को 25 हजार रुपये की सहायता राशि प्रदान की गई है। इसके साथ ही स्वर्गीय बब्बू यादव (पिता भगवानदीन यादव) की पत्नी फुलमतिया यादव को भी 25 हजार रुपये और स्वर्गीय राहुल (निवासी ग्राम जनकपुर) के पिता संजू को भी 25 हजार रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है यह सहायता राशि मृतकों के परिजनों के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से दी जा रही है ताकि वे इस कठिन समय में कुछ राहत महसूस कर सकें। सड़क दुर्घटनाओं में मृत्यु होने पर राज्य सरकार का यह पहल परिवारों के लिए एक महत्वपूर्ण मदद साबित हो रही है। इसे वित्तीय वर्ष 2025-2026 के तहत लेखा शीर्ष 2235 - सामाजिक सुरक्षा एवं कल्याण (800) के अंतर्गत 'सड़क दुर्घटना में मृतकों के परिवार और घायलों को वित्तीय सहायता' मद से वहन किया जाएगा। सड़क दुर्घटनाओं से प्रभावित परिवारों के लिए यह सहायता राशि उनके जीवन में थोड़ी राहत देने के उद्देश्य से है। छत्तीसगढ़ सरकार का यह प्रयास समाज के कमजोर वर्गों के प्रति संवेदनशीलता को दर्शाता है जिससे राज्य की सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित हो सके। इस संबंध में भरतपुर के अधिकारियों ने बताया कि इस पहल से दुर्घटना के कारण प्रभावित हुए परिवारों को आर्थिक और मानसिक दोनों तरह से सहारा मिलेगा।

युवाओं को एक साल मिलेगी नि:शुल्क कोचिंग

मीडिया ऑडीटर, छत्तीसगढ (निप्र)। ग्राम पंचायत लुकवासा में शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने की दिशा में एक सराहनीय पहल की गई है। फ्रीडम अकेडमी द्वारा कस्बे के छात्र-छात्राओं को एक वर्ष तक निशुल्क कोचिंग प्रदान करने की शुरुआत की गई है इस पहल से आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को भी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी का अवसर मिलेगा कोचिंग संस्थान लुकवासा में पुरानी पुलिस चौकी के सामने 4 अप्रैल से प्रारंभ हो गया है यहां प्रतिदिन सुबह 11 बजे से देर शाम तक कक्षाएं संचालित की जा रही हैं संस्थान में अंग्रेजी, कंप्यूटर शिक्षा के साथ-साथ विभिन्न शासकीय सेवाओं की तैयारी भी कराई जाएगी इससे छात्र-छात्राएं अपने करियर को बेहतर दिशा दे सकेंगे अरविंद धाकड़ ने बताया कि उनका उद्देश्य हर वर्ग के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना है आर्थिक अभाव शिक्षा में बाधा न बने उन्होंने सभी विद्यार्थियों से इस अवसर का लाभ उठाने की अपील की है। इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष हरिओम रघुवंशी सहित कई गणमान्य लोग एवं छात्र-छात्राएं मौजूद रहे उन्होंने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह प्रयास क्षेत्र के युवाओं के लिए सुनहरा अवसर साबित होगा।

भारतीय सेना में भर्ती का अवसर अग्निवीर आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ी, अब 10 अप्रैल तक करें आवेदन

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। युवाओं के लिए भारतीय सेना में शामिल होने का शानदार अवसर सामने आया है। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र द्वारा भारतीय सेना में अग्निवीर भर्ती के लिए आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ा दी गई है अब इच्छुक और योग्य अभ्यर्थी 10 अप्रैल 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। अग्निवीर भर्ती के लिए पहले आवेदन की अंतिम तिथि 01 अप्रैल 2026 निर्धारित की गई थी, जिसे अब बढ़ाकर 10 अप्रैल 2026 कर दिया गया है। इच्छुक अभ्यर्थी भारतीय सेना की आधिकारिक वेबसाइट [joinindianarmy.nic.in](https//joinindianarmy.nic.in) पर जाकर निर्धारित तिथि तक आवेदन कर सकते हैं। इस भर्ती के तहत विभिन्न पदों के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं जिनमें शामिल हैं: अग्निवीर (जनरल ड्यूटी), अग्निवीर (टेक्निकल), अग्निवीर (क्लर्क/स्टोर कीपर), अग्निवीर ट्रेड्समैन (8वीं और 10वीं पास),सिपाही (फार्मा) अग्निवीर पदों के लिए अविवाहित पुरुष और महिला अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं। उनकी जन्मतिथि 01 जुलाई 2005 से 01 जुलाई 2009 के बीच होनी चाहिए। वहीं, सिपाही (फार्मा) पद के लिए पुरुष अभ्यर्थियों की जन्मतिथि 01 जुलाई 2002 से 01 जनवरी 2008 के बीच होना अनिवार्य है।

लिखित परीक्षा की तैयारी के लिए अवसर: अभ्यर्थियों को लिखित परीक्षा की तैयारी के लिए एक और सुविधा दी जा रही है। रोजगार विभाग के पोर्टल [erojgar-cg-gov-in](https//erojgar-cg-gov-in) पर पंजीकरण करके ऑनलाइन अध्ययन सामग्री का लाभ लिया जा सकता है। यह ऑनलाइन सामग्री अभ्यर्थियों को परीक्षा की तैयारी में मदद करेगी। इच्छुक अभ्यर्थी जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र से संपर्क कर सकते हैं यहां पर भर्ती से संबंधित पूरी जानकारी और आवेदन प्रक्रिया को लेकर मार्गदर्शन प्राप्त किया जा सकता है। भारतीय सेना में भर्ती का यह अवसर उन युवाओं के लिए सुनहरा अवसर है जो देश की सेवा करने का सपना रखते हैं। भर्ती प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी और आवेदन के लिए वेबसाइट पर जा कर आवेदन किया जा सकता है।

बेलतरा में 30 साल बाद बन रही सड़क, चुनाव बहिष्कार करने दी थी चेतावनी

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। बेलतरा विधानसभा क्षेत्र में 30 साल बाद सड़क निर्माण हो रहा है यहां सड़क नहीं बनने से परेशान लोगों ने चुनाव बहिष्कार करने की चेतावनी भी दी थी विधायक सुशांत शुक्ला की पहल पर अलग-अलग गांवों में कुल 14 करोड़ 56 लाख 34 हजार रुपए की लागत से सड़कों के निर्माण कार्यों का शिलापूजन किया। लोगों के लंबे इंतजार के बाद अब उन्हें आवागमन में राहत मिलने की उम्मीद है दरअसल बेलतरा क्षेत्र के कई गांव ऐसे हैं जो आज भी पहुंच विहीन हैं यहां डब्ल्यूबीए और कच्ची सड़क है जिसकी वजह से बारिश के दिनों में आसपास के लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है यहां लंबे समय से जर्जर सड़कों के कारण ग्रामीणों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था जिससे रोजमर्रा का जीवन प्रभावित हो रहा था। विधायक सुशांत शुक्ला ने कहा कि जब वो चुनाव के समय इन गांवों में पहुंचे थे तब लोगों की केवल एक ही मांग थी सड़क निर्माण इसे लेकर उन्होंने चुनाव बहिष्कार करने की चेतावनी भी दी थी।

प्रदेश में बिजली बिल संकट से जूझ रहे परिवारों के लिए राहत का नया उपाय

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। प्रदेश सरकार की जनहितकारी पहल मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना आज लाखों परिवारों के जीवन में राहत, भरोसा और सकारात्मक बदलाव की नई इबारत लिख रही है यह योजना केवल बिजली बिल में छूट तक सीमित नहीं है बल्कि आर्थिक बोझ से जूझ रहे आमजन को आत्मविश्वास और सम्मान के साथ आगे बढ़ने का अवसर भी प्रदान कर रही है। बढ़ते बिजली बिल और सरचार्ज के कारण कई परिवार आर्थिक संकट का सामना कर रहे थे। ऐसे में इस योजना ने उन्हें बड़ी राहत दी है। योजना के तहत उपभोक्ताओं को मूल बकाया में 50% से 75% तक की छूट और 100% सरचार्ज माफी मिल रही है। इससे हजारों परिवारों का आर्थिक संतुलन फिर से स्थापित हो रहा है और वे अपने जीवन को फिर से सुसंगत बना रहे हैं विकासखंड की निवासी शाहीन बेगम इस योजना की सफलता की एक सशक्त उदाहरण हैं। उनके ऊपर लगभग 48,000 का बकाया बिजली बिल था जो उनके लिए चिंता का कारण बन गया लेकिन मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना के अंतर्गत उन्हें 23,000 से अधिक की छूट मिली जिससे उनकी मुश्किलों को काफी हद तक कम कर दिया गया अब शाहीन बेगम न केवल आर्थिक रूप से राहत महसूस कर रही हैं बल्कि मानसिक रूप से भी सशक्त हुई हैं और उन्हें एक नई उम्मीद का आभास हो रहा है। मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना की सबसे बड़ी खासियत इसकी सरल और पारदर्शी प्रक्रिया है। उपभोक्ता मोर बिजली ऐप या नजदीकी वितरण केंद्र के माध्यम से आसानी से पंजीयन कर सकते हैं। केवल 10% प्रारंभिक राशि जमा कर शेष बकाया को आसान किस्तों में चुकाने की सुविधा ने इसे और अधिक जनहितकारी बना दिया है। प्रदेश में इस योजना से करीब 28 लाख से अधिक उपभोक्ताओं को लाभ मिलने का अनुमान है। लगभग 757 करोड से अधिक की राशि माफ की जा रही है जो इसे राज्य की सबसे प्रभावशाली राहत योजनाओं में शामिल करता है। इससे उपभोक्ताओं को न केवल तत्काल राहत मिल रही है बल्कि उनके जीवन में आर्थिक स्थिरता भी बनी है। यह योजना केवल आर्थिक सहायता नहीं बल्कि सरकार और नागरिकों के बीच भरोसे की नई नींव भी रख रही है। जिन उपभोक्ताओं के बिजली कनेक्शन बकाया के कारण बंद हो गए थे उन्हें फिर से सक्रिय होने का अवसर मिल रहा है। इससे उनके जीवन में सामान्य स्थिति वापस लौट रही है। कुल मिलाकर मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना प्रदेश के आमजन के लिए एक सकारात्मक परिवर्तन की कहानी बन चुकी है।

पोहरी बस स्टैंड के पीछे 7 फीट का मगरमच्छ,वन विभाग ने किया रेस्क्यू

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शहर के पोहरी बस स्टैंड के पीछे स्थित तालाब के पास सुबह करीब 9 बजे एक विशाल मगरमच्छ देखा गया। पुलिया के समीप बैठे इस मगरमच्छ को देखकर स्थानीय लोगों में हड़कंप मच गया और राहगीर भयभीत होकर दूर से निकलने लगे स्थानीय निवासी मुकेश कुशवाह के अनुसार मगरमच्छ की लंबाई लगभग 7 फीट थी और उसका पेट फूला हुआ दिख रहा था आशंका जताई जा रही है कि उसने किसी जानवर जैसे सूअर या कुत्ते का शिकार किया था जिसके कारण वह अधिक हिल-डुल नहीं पा रहा था घटना की सूचना तत्काल वन विभाग को दी गई। जानकारी मिलते ही वन विभाग की रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची और लगभग 30 मिनट के सावधानीपूर्वक अभियान के बाद मगरमच्छ को पकड़ लिया इसके उपरांत उसे सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया रेस्क्यू अभियान के दौरान मौके पर बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए थे। हालांकि टीम ने स्थिति को नियंत्रित रखते हुए सफलतापूर्वक मगरमच्छ को पकड़ने का कार्य पूरा किया।

सिंधिया ने मेगा हेल्थ कैंप के सहयोगियों का किया सम्मान, जाने के बाद खाने पर मची लूट,कानून पर नाराजगी भी सामने आई

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी मे देर शाम केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने 16 से 24 मार्च तक चले ऐतिहासिक मेगा स्वास्थ्य शिविर के सहयोगियों के सम्मान समारोह में शिरकत की। उन्होंने 350 डॉक्टरों प्रशासनिक अधिकारियों, वालंटियर्स और सफाईकर्मियों का सम्मान करते हुए इस आयोजन को करिश्मा बताया और शिविर में हुई 3600 सर्जरियों की जानकारी दी। सिंधिया ने हर साल ऐसे आयोजन की घोषणा की, लेकिन उनके जाते ही भोजन व्यवस्था में भारी अव्यवस्था फैल गई और लोग खाने पर टूट पड़े वहीं कार्यक्रम के दौरान त्रष्ट कानून का विरोध कर रहे सवर्ण समाज के लोगों ने केंद्रीय मंत्री द्वारा ज्ञापन पर चर्चा न करने पर नाराजगी भी जताई । केंद्रीय मंत्री

सिंधिया ने मेगा स्वास्थ्य शिविर की सफलता पर सभी का आभार जताते हुए कहा कि मध्यप्रदेश के समाजसेवकों को शिवपुरी के समाजसेवकों से सीखना चाहिए सिंधिया ने बताया कि इस शिविर में देशभर के करीब 350 विशेषज्ञ डॉक्टरों ने अपनी सेवाएं दीं रोजाना 20 से 25 हजार मरीजों की ओपीडी हुई और लाखों लोग लाभान्वित हुए शिविर के दौरान लगभग 3600 सर्जरी की गईं

जिनमें कई जटिल ऑपरेशन शामिल थें पहली बार रोबोटिक सर्जरी जैसी अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग किया गया। सिंधिया ने मंच से बताया कि उन्होंने स्वयं एक रोबोटिक सर्जरी को करीब एक घंटे तक बैठकर देखा। ऑपरेशन के दौरान मरीज और डॉक्टर के बीच करीब 18 फीट की दूरी थी और डॉक्टर स्क्रीन के सामने बैठकर मशीन की मदद से ऑपरेशन कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ऐसी सुविधा न्यूयॉर्क और लंदन जैसे शहरों में भी आसानी से नहीं मिलती। सिंधिया ने घोषणा की कि अब इस तरह का मेगा हेल्थ कैंप हर साल आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान मंच पर मौजूद ऊर्जा मंत्री प्रद्युमन सिंह तोमर की सराहना करते हुए सिंधिया ने उन्हें इस पूरे आयोजन का चौकीदार बताया। आभार समारोह के समापन के बाद आयोजकों द्वारा भोजन की व्यवस्था की गई थी। लेकिन जैसे ही केंद्रीय मंत्री कार्यक्रम से रवाना हुए वहां मौजूद भीड़ अचानक भोजन स्थल पर टूट पड़ी। स्थिति ऐसी बन गई कि लोग प्लेट और खाने के लिए एक-दूसरे से आगे निकलने की कोशिश करते नजर आए कुछ देर के लिए वहां अव्यवस्था और अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

मगरौनी कस्बे में कुश्ती को लेकर चले लाठी-डंडे, 15 पर केस दर्ज

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले के नरवर थाना क्षेत्र के मगरौनी कस्बे में रविवार शाम करीब 6 बजे दंगल (कुश्ती) के दौरान विवाद के बाद दो पक्षों में लाठी-डंडे चल गए बीसीसी ग्राउंड में मेले के दौरान हुई इस घटना के बाद दोनों पक्ष मगरौनी पुलिस चौकी पहुंचे जहां उनके बीच फिर से झड़प हो गई। पुलिस ने हस्तक्षेप कर मामला शांत कराया और दोनों पक्षों की शिकायत पर 15 लोगों के खिलाफ क्रॉस एफआईआर दर्ज कर ली है मारपीट में घायल लोगों का इलाज नरवर स्वास्थ्य केंद्र में किया गया है जबकि एक गंभीर घायल को शिवपुरी रेफर किया गया है। शाम करीब 6 बजे मगरौनी के बीसीसी ग्राउंड में लगे मेले के दंगल में कुश्ती को लेकर दो पक्षों में विवाद शुरू हो गया। देखते ही देखते यह विवाद गाली-गलौज और लाठी-डंडों से मारपीट में बदल गया। घटना में दोनों पक्षों के कई लोगों को चोटें आई हैं मारपीट के बाद दोनों पक्ष शिकायत दर्ज कराने मगरौनी चौकी पहुंचे यहां भी उनके बीच कहासुनी और झड़प हो गई मौके पर मौजूद चौकी प्रभारी अभिमन्यु सिंह और पुलिस टीम ने हस्तक्षेप कर स्थिति को नियंत्रित किया और दोनों पक्षों को खदेड़कर अलग किया। पहले पक्ष की ओर से पुरानी मगरौनी निवासी राजकुमार गुर्जर ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि दूसरे पक्ष के लोगों ने लाठी-डंडे लेकर हमला किया इस हमले में उनके साथी राजा गुर्जर समेत कई लोगों को चोटें आईं गंभीर रूप से घायल राजा गुर्जर को शिवपुरी रेफर किया गया है।

छतरपुर में पति ने पत्नी पर उबलती चाय फेंकी काम पर जाने से रोका, विरोध करने पर किया हमला

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर के सिविल लाइन थाना क्षेत्र स्थित देरी रोड से घरेलू हिंसा का मामला सामने आया है। यहां एक पति ने अपनी पत्नी पर उबलती चाय उड़ेल दी, जिससे वह गंभीर रूप से झुलस गई। महिला को गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है। 32 वर्षीय पीड़िता कलावती अहिरवार ने आरोप लगाया कि आज सुबह वह रोज की तरह सुबह उठकर घर का काम कर रही थी और मजदूरी पर जाने की तैयारी में चाय बना रही थी। इसी दौरान उसके पति रामू अहिरवार ने उसे काम पर जाने से मना कर दिया। जब कलावती ने कहा कि काम पर नहीं जाएगी तो बच्चों का पालन-पोषण कैसे होगा, यह सवाल किया। इस पर पति गुस्से में आ गया और उसने उस पर खौलती चाय फेंक दी। गर्म चाय कलावती के सिर से लेकर शरीर के निचले हिस्से तक गिरी, जिससे वह गंभीर रूप से झुलस गई। परिजनों की सहायता से उन्हें तत्काल जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। कलावती ने बताया कि उनकी शादी को लगभग 16-17 साल हो चुके हैं और उनके तीन बच्चे हैं, जिनमें दो बेटियां और एक बेटा शामिल हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि उनका पति अक्सर शराब पीकर आता है और मारपीट करता है।

घर का खर्च वह स्वयं मजदूरी करके चलाती हैं, जबकि पति अपनी कमाई शराब में खर्च कर देता है और उनसे भी पैसे छीन लेता है। कलावती ने कहा कि अब वह अपने पति के साथ नहीं रहना चाहतीं और उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई चाहती हैं। पति ने जान से मारने की नीयत से हमला किया है और यदि कार्रवाई नहीं हुई तो भविष्य में उनकी जान को खतरा बना रहेगा। पति को अब माफ नहीं जेल भेजना है। मामले में छतरपुर के सीएसपी अरुण कुमार सोनी ने बताया कि महिला का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। उनकी शिकायत के आधार पर जांच की जा रही है और तथ्यों के सामने आने पर नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

नरसिंहपुर में ट्रैक्टर पलटने से युवक की मौतः मुराछ गांव में वाहन के नीचे दबा परिजन

मीडिया ऑडीटर, नरसिंहपुर (निप्र)। नरसिंहपुर जिले के मुराछ गांव में सोमवार को एक सड़क हादसे में 28 वर्षीय युवक की मौत हो गई। बेकाबू होकर एक ट्रैक्टर सड़क से उतरकर सीधे खेत में पलट गया, जिसमें दबने से युवक गंभीर घायल हो गया था। सूचना मिलने पर परिजन मौके पर पहुंचे और घायल को जिला अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

परिचितों के फोन के बाद मौके पर पहुंचे परिजन : मृतक की पहचान मुराछ निवासी हनुमत चढ़ार के रूप में हुई है। बड़े भाई गोपाल चढ़ार ने बताया कि उन्हें गांव के परिचितों ने फोन पर हादसे की सूचना दी थी। शुरुआत में उन्हें बताया गया कि चोट सामान्य हैं, लेकिन घटनास्थल पर पहुंचने पर ट्रैक्टर खेत में पलटा हुआ मिला।

हादसे के समय ट्रैक्टर पर सवार थे अन्य लोग : परिजनों का आरोप है कि अस्पताल पहुंचने से पहले ही हनुमत दम तोड़ चुका था। परिजनों ने पूरे घटनाक्रम पर संदेह व्यक्त करते हुए पुलिस से विस्तृत जांच की मांग की है। परिजनों का कहना है कि हादसे के समय ट्रैक्टर पर हनुमत के साथ अन्य लोग भी सवार थे। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि हादसा किस वजह से हुआ और उस समय चालक कौन था। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की छानबीन शुरू कर दी है।

शहडोल में आंधी-बारिश से गेहूं की फसल खराब किसानों की चिंता बढ़ी, उत्पादन पर असर की आशंका

मीडिया ऑडीटर,शहडोल (निप्र)। शहडोल जिले में अचानक बदले मौसम ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। पिछले कुछ दिनों से तेज हवाओं और बारिश के कारण खेतों में खड़ी और कटी हुई गेहूं की फसल को भारी नुकसान हुआ है। कई इलाकों में आंधी से पकी हुई फसल गिर गई है, जिससे उत्पादन प्रभावित होने की आशंका है।

कटहरी गांव के किसान अरुण तिवारी ने बताया कि उनकी पकी हुई गेहूं की फसल तेज तूफान के कारण खेत में गिर गई है। उन्होंने आशंका जताई कि गिरी हुई फसल की गुणवत्ता खराब हो जाएगी और दाने काले पड़ सकते हैं। तिवारी ने यह भी कहा कि यदि आने वाले दिनों में मौसम ऐसा ही रहा और बारिश जारी रही, तो नुकसान और बढ़ सकता है।

जिले के कई अन्य क्षेत्रों में किसानों ने गेहूं की कटाई कर फसल को खलिहानों में रखा है। बारिश के कारण इन दानों के खराब होने का खतरा बढ़ गया है, जिससे किसानों की चिंता और गहरी हो गई है। अमरहा और भमरहा जैसे इलाकों में भी कटाई के बाद रखी फसल पर मौसम का असर दिख रहा है।

काले पड़ सकते हैं दाने : कृषि वैज्ञानिक डॉ. मृगेंद्र सिंह के अनुसार, जिन खेतों में अभी तक कटाई नहीं हुई है, वहां बारिश से गेहूं के दाने काले पड़ सकते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि कई स्थानों पर फसल गिरने से उत्पादन में गिरावट निश्चित है। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों तक मौसम का यही रुख बने रहने की संभावना जताई है, जिससे किसानों की चिंता लगातार बनी हुई है।

मैहर से लौट रही मिनी बस खंभे से टकराई 20 श्रद्धालु थे सवार,

मीडिया ऑडीटर, उमरिया (निप्र) उमरिया में सोमवार को एक बड़ा सड़क हादसा टल गया। मैहर से दर्शन कर लौट रही श्रद्धालुओं से भरी एक मिनी बस अनियंत्रित होकर बिजली के खंभे से टकरा गई। यह घटना कलेक्टर कार्यालय के पीछे कटनी मार्ग पर हुई, जब बस शाहपुरा की ओर जा रही थी। प्रत्यक्षदर्शी मोहसिन खान ने बताया कि वाहन अचानक लहराने लगा और चालक नियंत्रण खो बैठा, जिसके बाद बस सीधे खंभे से जा टकराई। टक्कर तेज होने के बावजूद बस में सवार लगभग 20 ग्रामीण श्रद्धालु सुरक्षित रहे। किसी भी यात्री को गंभीर चोट नहीं आई। हादसे के बाद मौके पर कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत सक्रियता दिखाते हुए यात्रियों को बस से सुरक्षित बाहर निकाला और पुलिस को सूचना दी।द्य सूचना मिलते ही उमरिया पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी। प्राथमिक तौर पर चालक का नियंत्रण बिगड़ने को हादसे की वजह माना जा रहा है।

रायसेन में उन्नत कृषि महोत्सव में किसानों को मिलेगा

मीडिया ऑडीटर, रायसेन (निप्र)। रायसेन में आयोजित हो रहे 'उन्नत कृषि महोत्सव 2026 - प्रदर्शनी एवं प्रशिक्षण' के माध्यम से किसानों को देश के प्रतिष्ठित कृषि वैज्ञानिकों का मार्गदर्शन मिलेगा, वहीं पराली को 'कचरे से कंचन' बनाने की तकनीक और तीन दिन तक लगातार चलने वाली प्रशिक्षण-श्रृंखला किसानों की खेती को नए पायदान पर ले जाएगी। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि रायसेन में दशहरा मैदान पर होने वाले इस महोत्सव के दौरान तीनों दिन चार स्थानों- सेमिनार हॉल-1, सेमिनार हॉल-2, सेमिनार हॉल-3 और मुख्य हॉल में विषय-आधारित सत्र होंगे, जिनमें फसल प्रबंधन से लेकर बाजार और आधुनिक तकनीक तक पूरी श्रृंखला को समेटा जाएगा। 'वैज्ञानिकों का मार्गदर्शन, उन्नत कृषि की झलक- तीन दिन का ज्ञान महाकुंभ' उन्होंने बताया कि पहले दिन 11 अप्रैल को दोपहर के सत्रों में फसल कटाई के बाद प्रबंधन और कृषि अवसंरचना कोष के उपयोग से उन्नत कृषि, डिजिटल कृषि और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित समाधान, मधुमक्खी-पालन से कृषि-आय में वृद्धि और कृषि मशीनीकरण के माध्यम से खेती में उन्नति जैसे विषय शामिल रहेंगे। साथ ही, दलहन फसलों में उत्पादकता वृद्धि और क्षेत्र विस्तार, प्राकृतिक खेती, बागवानी फसलों का विस्तार तथा पराली प्रबंधन पर 'वेस्ट-टू-वेल्थ (कचरे से कंचन)' के साथ नुक्कड़ नाटक के जरिए किसानों को व्यावहारिक संदेश दिए जाएंगे। दूसरे दिन 12 अप्रैल को सुबह एफपीओ मीट (किसान उत्पादक संगठन सम्मेलन), मृदा स्वास्थ्य के माध्यम से हरित और सुरक्षित कृषि, संरक्षित खेती (पॉलीहाउस-शेडनेट) को जलवायु-अनुकूल कृषि के सतत दृष्टिकोण के रूप में और प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना पर जागरूकता एवं संवाद कार्यशाला तथा नुक्कड़ नाटक के आयोजन होंगे। इसी दिन दोपहर से शाम तक एकीकृत कृषि प्रणाली, एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन, फूलों और सब्जियों की वैज्ञानिक खेती, एकीकृत कीट प्रबंधन- और बायो-पेस्टीसाइड का उपयोग, नर्सरी प्रबंधन व गुणवत्तापूर्ण रोपण सामग्री उत्पादन, सूक्ष्म सिंचाई और फर्टिगेशन, हाइड्रोपोनिक्स, प्रिसिजन फार्मिंग और वर्टिकल फार्मिंग पर विशेष सत्र होंगे। तीसरे दिन 13 अप्रैल को सुबह चक्र्य (कृषि विज्ञान केंद्र) सम्मेलन, धान में आत्मनिर्भरता हेतु बीज प्रणाली, मत्स्यपालन और मोतीपालन, कृषि ऋण और किसान क्रेडिट कार्ड पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। इसी दिन दोपहर के सत्रों में मध्य प्रदेश की जलवायु आधारित डेयरी संवर्धन एवं पशुपालन, धान की सीधी बुआई, मुर्गीपालन-बकरीपालन से आय-वृद्धि और 'धरती बचाओ' विषय पर नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जलवायु-संतुलित एवं टिकाऊ खेती का संदेश दिया जाएगा। 'पराली से 'कचरे से कंचन' तक - वेस्ट-टू-वेल्थ की वैज्ञानिक राह' शिवराज सिंह ने बताया कि महोत्सव में पराली प्रबंधन पर विशेष जोर दिया जाएगा, जहाँ 'कचरे से कंचन' की अवधारणा के तहत वेस्ट-टू-वेल्थ मॉडल किसानों के समक्ष रखे जाएंगे, ताकि पराली और कृषि-अपशिष्ट को जलाने की जगह खाद, ऊर्जा और अतिरिक्त आय के स्रोत में बदला जा सके। पराली प्रबंधन पर सत्र के साथ-साथ नुक्कड़ नाटक के माध्यम से पराली जलाने से होने वाले पर्यावरणीय नुकसान और वैज्ञानिक प्रबंधन से मिलने वाले आर्थिक लाभ को सरल और सहज रूप में समझाया जाएगा।

बुरहानपुर में जबलपुर-पुणे ट्रेन अब नियमित स्पेशल नहीं रहने से किराया घटा, नया नंबर जारी

मीडिया ऑडीटर, बुरहानपुर (निप्र)। रेलवे ने बुरहानपुर रेलवे स्टेशन पर संचालित होने वाली 02131 जबलपुर-पुणे साप्ताहिक ट्रेन को स्पेशल श्रेणी से हटाकर नियमित साप्ताहिक श्रेणी में शामिल करने के आदेश जारी किए हैं। इस ट्रेन का नंबर भी बदल दिया गया है, जिससे यात्रियों को कई सुविधाएं मिलेंगी। पहले यह ट्रेन 02131-32 नंबर से स्पेशल के रूप में चलती थी, जिसका किराया अधिक था और यह अक्सर समय पर नहीं पहुंच पाती थी। अब इसे 20161-62 नंबर के साथ नियमित साप्ताहिक ट्रेन के रूप में संचालित किया जाएगा। इस बदलाव से यात्रियों को कम किराया देना होगा और ट्रेन हर सप्ताह निर्धारित समय पर पहुंचेगी।खंडवा संसदीय सीट से सांसद ज्ञानेश्वर पाटील ने इस संबंध में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात की थी। रेलवे द्वारा स्पेशल का दर्जा हटाकर इन सुविधाओं को प्रदान किया गया है। जबलपुर-पुणे ट्रेन के अलावा, रेलवे ने खंडवा की दो अन्य ट्रेनों को भी नियमित किया है। इनमें 02187-88 रीवा-मुंबई स्पेशल ट्रेन को अब 20153-54 नंबर के साथ नियमित साप्ताहिक किया गया है। इसी तरह, 07019-20 हैदराबाद-जयपुर स्पेशल ट्रेन को भी 17079-80 नंबर के साथ हैदराबाद-जयपुर के बीच नियमित साप्ताहिक कर दिया गया है।

राज्यपाल मंगूभाई पटेल ने बदनावर में संकल्प से समाधान अभियान के हितग्राहियों को किया लाभान्वितधार

मीडिया ऑडीटर, धार (निप्र)। राज्यपाल श्री मंगूभाई पटेल ने आज धार जिले के बदनावर में आयोजित 'संकल्प से समाधान अभियान' के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। इस गरिमामयी कार्यक्रम में राज्यपाल ने शासन की विभिन्न महत्वपूर्ण योजनाओं के तहत चयनित हितग्राहियों को प्रत्यक्ष रूप से लाभ के प्रमाण-पत्र और सामग्री वितरित की।

शिविरों की जानकारी: अभियान की सफलता सुनिश्चित करने हेतु धार जिला स्तर पर कुल 80 शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए 65 क्लस्टर स्तर के शिविर तैयार किए गए हैं, जिनमें ग्रामीण क्षेत्रों की 774 ग्राम पंचायतों हेतु 49 पंचायत स्तर के क्लस्टर और नगरीय क्षेत्रों के 196 वार्डों हेतु 15 नगर स्तर के क्लस्टर शामिल हैं। प्रशासन द्वारा 14 ब्लॉक स्तर और एक जिला स्तर पर आयोजित होने वाले इन सभी शिविरों की प्रविष्टि पोर्टल पर पूर्ण कर ली गई है।

हितग्राहियों को मिला योजनाओं का संबल : राज्यपाल द्वारा कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विभागों की योजनाओं के अंतर्गत निम्नलिखि लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया।

लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग : 'मुख्यमंत्री बाल हृदय उपचार योजना' के तहत बालक रूधरांश पिता कृष्णा को सहायता प्रदान की गई। इसके साथ ही आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत श्रीमती सुमित्रा शर्मा और प्रसूति सहायता योजना के तहत काली पति पवन को लाभान्वित किया गया।

कृषि एवं उद्यानिकी : किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग की 'पर ड्रॉप मोर क्रॉप' योजना के माध्यम से ग्राम चंदनवरडियाकला के श्री गल्ला और ग्राम बोरदी के नन्दराम को माइक्रो-इरिगेशन हेतु हितलाभ दिए गए। उद्यानिकी विभाग द्वारा श्री लखन पाटीदार को संरक्षित खेती प्रोत्साहन योजना से लाभान्वित किया गया।

पशुपालन एवं डेयरी विकास: आचार्य विद्यासागर गौ संवर्धन योजना' के तहतधर्मेन्द्र रामेश्वर प्रजापत और श्री अशोक नंदा को लाभ के प्रमाण-पत्र सौंपे गए। महिला एवं बाल विकास विभाग एवं अन्यबदनावर वार्ड क्रमांक 2 की कु. अधिरा पूर्वा को लाडली लक्ष्मी योजना का लाभ दिया गया। वहीं, मछुआ कल्याण विभाग द्वारा ग्राम पाडल्या के श्री सुनील को मछुआ क्रेडिट कार्ड प्रदान किया गया। इसी प्रकार अवसर पर शासन की विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित से हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया, इनमें मछुआ क्रेडिट कार्ड योजना, लाडली लक्ष्मी योजना, मुख्यमंत्री बाल हृदय उपचार योजना के प्रकरण स्वीकृत, आयुष्मान भारत योजना,प्रसूति सहायता योजना का लाभप्रदान करना हैं ।

सिकल सेल एनीमिया का उन्मूलन एक साझा जिम्मेदारी, सबका साथ-सबका विकास' से ही संभव होगा

मीडिया ऑडीटर, धार (निप्र)। राज्यपाल मंगूभाई पटेल ने आज बदनावर प्रवास के दौरान मंडी प्रांगण स्थित मेगा स्वास्थ्य शिविर कार्यक्रम में सिकल सेल एनीमिया के उन्मूलन को एक जन-आंदोलन बनाने का आह्वान किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि 'सबका साथ, सबका विकास' के मूल मंत्र को अपनाकर ही इस अनुवांशिक बीमारी को समाज से दूर किया जा सकता है। राज्यपाल श्री पटेल ने बताया कि प्रदेश में सिकल सेल के विरुद्ध अभियान को गति देते हुए अब तक कुल 1 करोड़ 31 लाख जांचें सफलतापूर्वक की जा चुकी हैं। उन्होंने कहा कि चूँकि यह समस्या मुख्य रूप से जनजातीय समुदायों में व्याप्त है, इसलिए समाज के हर वर्ग को इसे रोकने के लिए सामूहिक प्रयास करने की आवश्यकता है।

संबोधन के दौरान राज्यपाल ने जानकारी दी कि स्वास्थ्य सेवाओं को आधुनिक बनाते हुए मरीजों के लिए डिजिटल कार्ड की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। इससे मरीजों का स्वास्थ्य रिकॉर्ड डिजिटल रूप में उपलब्ध रहेगा, जिससे उपचार में सुगमता होगी। इसके साथ ही, ग्रामीण और जनजातीय क्षेत्रों में जागरूकता फैलाने और मरीजों की सहायता करने हेतु 'सिकल सेल मित्र' तैयार किए जा रहे हैं, जो इस मिशन में सेतु का कार्य करेंगे।

राज्यपाल ने अपील की कि सिकल सेल के प्रति किसी भी प्रकार की भ्रांति न पालें और केवल पंजीकृत चिकित्सकों के परामर्श के अनुसार ही दवाइयों का नियमित सेवन करें। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस बीमारी को निरंतर उपचार और सही जानकारी के माध्यम से ही नियंत्रित किया जा सकता है। राज्यपाल श्री मंगू भाई पटेल के बदनावर आगमन के अवसर पर रविवार को मंडी प्रांगण, बदनावर में रेड क्रॉस सोसाइटी एवं जिला स्वास्थ्य समिति धार के संयुक्त तत्वावधान में निःशुल्क वृहद स्वास्थ्य शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्देश्य आमजन को एक ही स्थान पर विशेषज्ञ चिकित्सकीय सेवाएं उपलब्ध कराना रहा। इसी अवसर पर राज्यपाल श्री पटेल द्वारा सिविल अस्पताल, बदनावर के नवीन भवन का लोकार्पण भी किया गया। जिससे क्षेत्रीय नागरिकों को आधुनिक एवं सुदृढ़ स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी।इस स्वास्थ्य शिविर में एमजीएम मेडिकल कॉलेज, इंदौर, अरविंदो अस्पताल, इंदौर, सिविल अस्पताल, बदनावर, जेटीपी अस्पताल, बदनावर एवं श्री विनायक अस्पताल, धार के विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा विभिन्न रोगों की निःशुल्क जांच एवं उपचार सेवाएं प्रदान की गईं।

शिविर में कुल 688 मरीजों का पंजीयन एवं उपचार किया गया, जिसमें 384 महिलाएं एवं 304 पुरुष शामिल रहे।

सीहोर में अधिकतम तापमान 39 डिग्री सेल्सियस दर्ज दिन में गर्मी, रात में बारिश

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। सीहोर जिले में अप्रैल माह के पहले सप्ताह में मौसम का मिजाज लगातार बदला हुआ है। दिन में जहां तेज धूप और गर्मी रहती है, वहीं शाम को अचानक मौसम बदलकर आसमान में काले बादल छा जाते हैं। बीते 24 घंटे के दौरान सीहोर में अधिकतम तापमान 39 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। अप्रैल माह की शुरुआत से ही मौसम में उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। दोपहर में तेज धूप के कारण लोगों को भीषण गर्मी का सामना करना पड़ा। पिछले 24 घंटों में जिले के कई स्थानों पर हल्की बारिश भी दर्ज की गई। आज का अधिकतम तापमान 39 डिग्री सेल्सियस रहा, जो कल के 38 डिग्री सेल्सियस से एक डिग्री अधिक है। मौसम विभाग के अनुसार, साइक्लोनिक सर्कुलेशन और टर्फ सिस्टम के कारण मौसम का मिजाज बदला है। इस समय वेस्टर्न डिस्टरबेंस भी सक्रिय है। बताया गया है कि आगामी दिनों में बारिश का एक और सिस्टम सक्रिय होने वाला है, जिसके कारण अगले कुछ दिनों तक मौसम में उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है।

पन्ना- पालधरा गांव में 9वीं के छात्र की संदिग्ध मौत

मीडिया ऑडीटर, पन्ना (निप्र)। पन्ना जिले के पालधरा गांव में एक 15 वर्षीय छात्र का शव संदिग्ध परिस्थितियों में पेड़ से लटका मिला। मृतक की पहचान दीपेश आदिवासी (पिता किशोर सिंह) के रूप में हुई है, जो पन्ना के सर्वोदय विद्यालय में कक्षा 9वीं का छात्र था। जानकारी के अनुसार, 5 अप्रैल को सुबह दीपेश अपने माता-पिता के साथ महुआ बीनने गया था। वहां से लौटने के बाद वह बकरियां चराने निकल गया। परिजनों ने बताया कि दोपहर में उन्होंने दीपेश को खाना खाने के लिए कहा था, लेकिन उसने मना कर दिया। इसके बाद करीब 1 बजे वह दोबारा खेत की ओर चला गया। जब शाम तक दीपेश घर नहीं लौटा, तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। तलाश के दौरान, मृतक के चाचा लील

सिंह खेत की तरफ लकड़ी लेने पहुंचे। उन्होंने देखा कि दीपेश का शव महुआ के ही एक पेड़ पर फांसी के फंदे से लटका हुआ था। ग्रामीण और परिजन मौके पर पहुंचे और तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही बृजपुर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर शव को फंदे से नीचे उतारा। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पंचनामा तैयार किया और पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है। पुलिस फिलहाल पोस्टमार्टम रिपोर्ट और परिजनों के बयानों के आधार पर मामले की जांच कर रही ।

भीकनगांव में बेटे ने मां की कुल्हाड़ी से हत्या की:देखभाल से परेशान होकर ली जान गर्दन पर किए 4 वार; शव पर पानी डाला

मीडिया ऑडीटर, खरगोन (निप्र)। भीकनगांव में 80 वर्षीय बुजुर्ग महिला रामई बाई की उनके 55 वर्षीय बेटे विष्णु सावले ने शनिवार शाम कुल्हाड़ी से गर्दन पर वार कर हत्या कर दी। बिस्तर पर पड़ी बीमार मां की देखभाल से तंग आकर बेटे ने इस वारदात को अंजाम दिया और हत्या के बाद शव पर पानी डालकर खून साफ करने की कोशिश भी की। पुलिस ने आरोपी बेटे को गिरफ्तार कर लिया है और अपना जुर्म कबूल करने के बाद उसे जेल भेज दिया गया है।

घर में अकेला था आरोपी, गर्दन पर किए 4 वार : एडीओपी राकेश आर्य ने बताया कि यह घटना शनिवार शाम की है। उस समय घर में विष्णु के अलावा कोई और मौजूद नहीं था। विष्णु अपनी मां की बीमारी

और उनकी देखभाल से परेशान था। उसने घर से कुल्हाड़ी निकाली और पलंग पर लेटी मां रामई बाई की गर्दन पर चार वार किए, जिससे उनकी मौत हो गई। खून फैलने के बाद उसने कुल्हाड़ी छिपा दी और शव पर पानी डालकर खून साफ करने का प्रयास किया।

पुलिस की पूछताछ में बोला- परेशानी भरे जीवन से मुक्त कर दिया : सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से सबूत जुटाए। आसपास के लोगों से पूछताछ के बाद आरोपी बेटे को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। विष्णु ने कबूल किया कि उसकी मां बीमारी के कारण चल-फिर नहीं सकती थीं और बिस्तर पर ही रहती थीं। उसे खिलाना, पिलाना, नहलाना और साफ-सफाई सब बिस्तर पर ही करनी पड़ती थी, जिससे वह परेशान था। उसने कहा कि उसने अपनी मां को इस 'परेशानी भरे जीवन' से मुक्त कर दिया।

हम्माली करता है आरोपी, पत्नी छोड़कर जा चुकी है : पुलिस के अनुसार, आरोपी विष्णु सावले हम्माली का काम करता है और शराब पीने का आदी है। कुछ समय पहले उसका अपनी पत्नी से झगड़ा हुआ था, जिसके बाद पत्नी घर छोड़कर चली गई थी। घटना के समय विष्णु अपने दो बच्चों के साथ घर में रह रहा था। फिलहाल पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

जल गंगा संवर्धनअभियान के तहत निर्मित खेत तालाब बन रहा आर्थिक समृद्धि का आधार

मीडिया ऑडीटर, रायसेन (निप्र)। रायसेन जिले की सिलवानी जनपद पंचायत की सिंहपुरी उचेरा ग्राम पंचायत निवासी हितग्राही किसान श्री रामप्रसाद अहिरवार के खेत में जल गंगा संवर्धन अभियान -2025 अंतर्गत बनाया गया खेत तालाब श्री रामप्रसाद की आर्थिक समृद्धि का आधार बन रहा है। खेत तालाब बनने से पहले श्री रामप्रसाद अपनी तीन एकड़ असिंचित भूमि में सिंचाई के लिए पूर्णतः बारिश पर ही निर्भर थे और बमुश्किल एक फसल ही ले पाते थे! जिससे उन्हें बहुत कम आय होती थी। लेकिन वर्ष 2025 में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत उनके खेत में 1.87 लाख रुपए लागत से खेत तालाब का निर्माण किया गया। जिसमें बारिश का पानी एकत्रित होने से अब वह दो फसल ले रहे हैं। इससे उनकी आमदनी में वृद्धि हुई तथा परिवार की आर्थिक स्थिति भी सुदृढ़ हुई है। हितग्राही श्री रामप्रसाद बताते हैं कि 'तालाब बनने के बाद मेरे खेतों में पूरे वर्ष पर्याप्त पानी उपलब्ध रहता है, अब दो फसलें लेकर आमदनी बढ़ी है और जीवन में स्थायित्व आया है।' यह कार्य जल संरक्षण, कृषि उत्पादकता वृद्धि और ग्रामीण आजीविका सुदृढ़ीकरण का उत्कृष्ट उदाहरण है।

तुषार आने वाले समय में भारतीय टीम में नजर आयेगा: स्टेन

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर डेल स्टेन ने राजस्थान रॉयल्स के युवा तेज गेंदबाज तुषार देशपांडे की जमकर प्रशंसा की है। अपने जमाने के दिग्गज तेज गेंदबाज रहे स्टेन ने कहा है कि जिस धैर्य से तुषार ने गुजरात टाइटन्स के खिलाफ अंतिम ओवरा किया उससे पता चलता है कि वह शीर्ष स्तर का गेंदबाज है। वह इसी प्रकार गेंदबाजी करता रहा तो भविष्य में भारतीय टीम में जगह बना सकता है। जिस प्रकार से उसने अंतिम ओवर में केवल 4 रन दिये उससे चयनकर्ता भी प्रभावित हुए बिना नहीं रहेंगे। तुषार ने अंतिम ओवर में जीत के लिए जरुरी रन गुजरात को नहीं बनाने दिये। उसने में राशिद खान और कसिगो रबाडो को रन बनाने का कोई अवसर नहीं दिया। स्टेन ने कहा कि कहा, तुषार का अंतिम ओवर बहुत अच्छा था। उन्होंने दबाव में एकदम सही गेंदबाजी की, राशिद खान जैसे खिलाड़ी को भी शॉट खेलने से रोक दिया। किसी भी गेंदबाज के लिए इतने अधिक दबाव वाली हालत में शांत रहना बहुत कठिन होता है क्योंकि आपके दिमाग में बहुत सी बातें चलती रहती हैं पर ऐसे में भी तुषार ने गेंदबाजी पर पूरा नियंत्रण बनाये रखा। स्टेन ने कहा, तुषार ने चार जबरदस्त यॉर्कर डालीं। फिर उन्होंने अपनी लाइन बदली और लेंथ गेंद डाली और ऐसा करके उन्होंने राशिद पर अंकुख लगाया और बड़ा शॉट मारने के लिए मजबूर कर दिया। जिससे वह कैच हो गये।

शुभमन के अगले मैच तक फिट होने की संभावना : पार्थिव पटेल

मुम्बई, एजेंसी। गुजरात टाइटंस के सहायक कोच पार्थिव पटेल के अनुसार कप्तान शुभमन गिल के अगले मैच में खेलने की काफी संभावनाएं हैं। शुभमन चोटिल होने के कारण राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मैच से बाहर रहे थे। इस मैच में टीम को उनकी कमी खली थी। इसी कारण प्रशंसक उम्मीद कर रहे हैं कि शुभमन अगले मैच तक फिट हो जाएंगे। इसी को लेकर पार्थिव ने कहा, इंजरी मैनेजमेंट के बारे में मुझे जानकारी नहीं है पर मैं इतना जरूर कह सकता हूं कि वह ठीक हो जाएंगे। इससे अंदाजा होता है कि कि शुभमन की चोट अधिक गंभीर नहीं है। पार्थिव ने कहा कि शुभमन को कुछ दिन पहले ही मांसपेशियों में खिंचाव आया था। जिसके कारण उन्हें पिछले मैच में जगह नहीं दी गयी थी। उन्होंने कहा, उन्हें पहले गर्दन में मोच आई थी और कुछ दिन पहले मांसपेखी में खिंचाव आया था। हमें उम्मीद है कि वह अगले मैच तक फिट हो जाएंगे। यह चोट ज्यादा गंभीर नहीं लग रही है। टीम प्रबंधन उनकी फिटनेस पर नजर रख रहे हैं। गिल के बाहर होने से पिछले मैच में टीम की कप्तानी राशिद खान ने संभाली थी पर वह टीम को जीत नहीं दिला पाये। वहीं मैच के बाद राशिद ने भी शुभमन की फिटनेस को लेकर कहा, वह ठीक हैं। उम्मीद है कि अगले मैच तक पूरी तरह फिट हो जाएंगे। उन्हें केवल मांसपेशी में खिंचाव है। इसलिए उम्मीद है कि वह जल्द वापसी करेंगे। शुभमन जैसे बेहतरीन बल्लेबाज के होने से टीम बड़ा स्कोर बना सकती है। गुजरात टाइटंस का अगला मैच 8 अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स से होगा। गुजरात की टीम अभी तक दोनों मैच हार चुकी है, जबकि दिल्ली ने अपने दोनों मैच जीते हैं। ऐसे में टीम को जीत की राह पर लौटने के लिए शुभमन की वापसी बेहद जरूरी मानी जा रही है।

अब कमेंट्री नहीं कोचिंग पर ही ध्यान देंगे युवराज

मुम्बई,एजेंसी। पूर्व भारतीय क्रिकेटर युवराज सिंह ने कहा है अब वह कमेंट्री नहीं करेंगे। इसकी जगह पर कोचिंग और अपने कारोबार पर ध्यान देंगे। युवराज ने बताया कि कमेंट्री खेल पर बात करने का एक अच्छा मंच है पर वह इसलिए इसमें नहीं रहना चाहते हैं क्योंकि कुछ लोगों ने कमेंट्री के दौरान उनके निजी जीवन को लेकर टिप्पणियां की थीं। इसी वजह से वह इससे दूर रहना चाहते हैं। युवराज कहा, अब जब मैं रिटायर हो गया हूं तो मैं यह कहना चाहता हूं कि कुछ लोगों ने मेरे क्रिकेट पर नहीं, बल्कि मुझ पर निजी प्रहार किय। क्रिकेट पर बात करना समझ में आता है, क्योंकि वह खेल का हिस्सा है पर निजी जीवन पर कहना सही नहीं है। युवराज का कहना है कि वह अब कोचिंग के साथ ही अपने कामकाज मे लगे हुए हैं। वह युवा खिलाड़ियों के साथ काम कर रहे हैं और उगे बढ़ाने में सहायता कर रहे हैं।युवराज पंजाब के युवा खिलाड़ियों जैसे अभिषेक शर्मा और प्रभसिमरन सिंह के मेंटर की भूमिका निभा रहे हैं।

इसके अलावा उन्होंने संजू सैमसन को भी कठिन दौर में टिप्स दिये थे। युवराज ने बताया कि उन्होंने संजू सैमसन को तकनीकी रूप से फुटवर्क सुधारने की सलाह दी थी।

पिछले सत्र की कमजोरियों को दूर करने से लाभ मिला - बिश्नोई

मुम्बई, एजेंसी। राजस्थान रॉयल्स के स्पिनर रवि बिश्नोई ने कहा है कि पिछले सत्र की कमजोरियों को दूर करने का लाभ उसे इस सत्र में मिला है। इसी कारण वह इस सत्र में अब तक अच्छी गेंदबाजी करने में सफल हुए हैं। बिश्नोई के अनुसार उन्होंने अपनी गलतियों पर घरेलू क्रिकेट में काम किया है। बिश्नोई ने मैच के बाद कहा पिछला सत्र मेरे लिए काफी कठिन रहा था, पर मैंने अपने तरीके से काम किया। अगर उनकी लेंथ सही नहीं होती तो बल्लेबाज उन्हें आसानी से चौके-छक्के मार देते थे। यही उनकी सबसे बड़ी कमजोरी थी, जिस पर उन्होंने पूरे घरेलू सत्र में काम किया।बिश्नोई ने बताया कि जब उनकी लेंथ सही जगह पर पड़ती है तो बल्लेबाजों के लिए रन बनाना कठिन हो जाता है। बिश्नोई ने बताया कि उन्होंने घरेलू क्रिकेट के दौरान मानसिक, तकनीकी और शारीरिक तीनों पहलुओं पर काम किया, जिसका परिणाम अब दिख रहा है। आईपीएल में इस गेंदबाज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में चार विकेट लिए और वह प्लेयर ऑफ द मैच भी बने। बिश्नोई सबसे पहले साल 2022 में लखनऊ सुपर जायंट्स से जुड़े थे। पहले दो सत्र में उन्होंने 13 और 16 विकेट लिए, लेकिन इसके बाद उनका प्रदर्शन नीचे आया। आईपीएल 2024 में उन्होंने 14 मैच में 10 विकेट लिए, जबकि पिछले सीजन में 11 मैच में सिर्फ 9 विकेट ही ले सके और उनका इकॉनमी रेट भी काफी ज्यादा रहा।

इंग्लैंड फुटबॉल टीम के कप्तान हैरी केन अभी कुछ समय मैदान से दूर रहेंगे

लंदन ,एजेंसी। इंग्लैंड फुटबॉल टीम के कप्तान हैरी केन चोटिल हो गये हैं और ऐसे में आने वाले टूर्नामेंटों में उनका खेलना संदिग्ध नजर आता है। केन को अभ्यास सत्र के दौरान यह चोट लगी थी। इसी कारण उन्हें कुछ समय के लिए मैदान से दूर रहना पड़ सकता है क्योंकि प्रबंधन उनकी वापसी को लेकर कोई खतरा नहीं उठाना चाहता है। एक रिपोर्ट के अनुसार केन के टखने में चोट लगी है, जिसकी वजह से वह अहम वाले मुकाबलों से बाहर रहेंगे। प्राप्त जानकारी के अनुसार केन को यह चोट अभ्यास सत्र के दौरान लगी थी। इसी कारण वह एक मैत्री मैच में भी नहीं खेल सके। इसके अलावा एक अन्य मुकाबले में आराम दिया गया था, जिससे उनकी फिटनेस को लेकर पहले ही प्रशंसकों को आशंका हो गयी थी। वहीं उनक क्लब के मुख्य कोच ने कहा है कि वह अगले घरेलू लीग मुकाबले में नहीं रहेंगे। हालांकि, उन्होंने उम्मीद जताई है कि हेरी शीघ्र ही वापसी करेंगे। वह अंतरराष्ट्रीय क्लब टूर्नामेंट में खेल सकते हैं। यह मुकाबला काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है और इसमें उनकी भूमिका निर्णायक हो सकती है। केन का इस सीजन का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। उन्होंने क्लब और राष्ट्रीय टीम की ओर से काफी गोल किये हैं। ऐसे में उनके बार रहने से टीम को नुकसान पहुंचेगा। आने वाले माह में विश्व स्तर का बड़ा टूर्नामेंट भी होना है, ऐसे में टीम प्रबंधन चाहत ही हैरी को पर्याप्त आराम दे दिया जाये जिससे कि वह तय समय तक फिट हो जायें।

भविष्य में सीएसके की कप्तानी भी संभाल सकते हैं सैमसन : मनोज तिवारी

कोलकाता, एजेंसी। पूर्व क्रिकेटर मनोज तिवारी ने विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन की प्रशंसा करते हुए कहा है कि पिछले कुछ समय में उनका बेहतीन प्रदर्शन सामने आया है और ऐसे में वह इस बार चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के लिए बेहद उपयोगी साबित होंगे। तिवारी के अनुसार सैमसन एक अच्छे बल्लेबाज हैं, विकेटकीपर हैं मौका मिलने पर वह कप्तानी भी कर सकते हैं। उन्होंने आईपीएल और घरेलू क्रिकेट में लंबे समय तक कप्तानी की है। साथ ही कहा कि आज महेन्द्र सिंह धोनी जिस प्रकार सीएसके में लोकप्रिय हैं। वैसे ही आने वाले समय में सैमसन भी होंगे। वह धोनी के जाने के बाद सीएसको को उनकी कम महसूस नहीं होने लेंगे। मनोज तिवारी ने कहा कि, हर इंसान के जीवन में एक अच्छा समय आता है और यही अब सैमसन के साथ हो रहा है। इस पूर्व क्रिकेटर ने आगे कहा कि जिस तरह से सैमसन ने टी20 विश्व कप 2026 में खेला उसके लिए उनकी सराहना होनी चाहिये। उनको पहले ही पारी की शुरुआत का अवसर मिलना चाहिए था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

सीएसके की तीसरी हार से निराश ऋतुराज बोले, मुझे बेहतर बल्लेबाजी करनी चाहिये थी

चेन्नई, एजेंसी। चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के लिए आईपीएल के 19 सत्र की शुरुआत अच्छी नहीं रही है और उसे लगातार तीसरी हार का सामना करना पड़ा है। सीएसके को अपने तीसरे मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स (आरसीबी) के खिलाफ मुकाबले में हार मिली है। इससे टीम के युवा कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ निराश हैं। ऋतुराज ने हार की जिम्मेदारी लेते हुए कहा है कि मुझे अच्छी बल्लेबाजी करनी चाहिये थी। साथ ही कहा कि अगर मैंने रन बना दिए होते तो मैच का परिणाम कुछ और होता पर ऐसा हुआ नहीं। इस मैच में आरसीबी से मिले 250 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए सीएसके की टीम 207 रन ही बना पायी। हार के बाद उन्होंने कहा, 'मैं भी टीम केप्रदर्शन से थोड़ा हैरान था। सरफराज खान, प्रशांत वीर और जेमी ओवरटन ने अच्छा खेल दिखाया। वहीं अगर मैंने शीर्ष क्रम में रन बनाये होते तो हम लक्ष्य हासिल कर सकते थे। इसलिए आरसीबी के खिलाफ मिली हार की जिम्मेदारी मैं अपने ऊपर लेता हूं। इस मैच में हमारी टीम ने जिस प्रकार विराट कोहली का कैच छोड़ा उससे भी हमें नुकसान हुआ। इसके अलावा आरसीबी के टिम डेविड की पारी से भी मैच हमारे हाथ से निकल गया। साथ ही कहा कि हमारी कुछ गलतियों से मैच हमारे हाथ ने फिसल गया।' इस मैच में सीएसके ने टॉस जीतकर आरसीबी को पहले बल्लेबाजी का आमंत्रण दिया था। आरसीबी ने टिम और पडीक्कल के अलावा कप्तान रजत पाटीदार की नाबाद 48 रन और फिल सॉल्ट की 46 रन की पारी से तीन विकेट पर 250 रन बनाये जिसका पीछा करते हुए सीएसके 207 रन ही बना पायी।

ओलंपिक पदक विजेता ब्लैंका व्लासिक को वर्ल्ड 10के बेंगलुरु 2026 का एंबेसडर बनाया गया

बेंगलुरु, एजेंसी। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता और दो बार की विश्व चैंपियन ब्लैंका व्लासिक को वर्ल्ड 10के बेंगलुरु 2026 के लिए अंतरराष्ट्रीय इवेंट एंबेसडर बनाया गया है। इस वर्ल्ड एथलेटिक्स गोल्ड लेबल रेस का आयोजन 26 अप्रैल को होना है। व्लासिक टॉप हाई जंपर्स में से एक हैं। वह अपने लंबे और सफल करियर के लिए जानी जाती हैं। क्रोएशियाई एथलीट ने बीजिंग 2008 ओलंपिक में रजत और रियो ओलंपिक 2016 में कांस्य पदक जीता था। इसके साथ ही उन्होंने कई विश्व चैंपियनशिप और वर्ल्ड इंडोर टाइटल भी जीते। 2009 में बनाया गया उनका निजी श्रेष्ठ (2.08 मीटर), अभी भी क्रोएशियाई रिकॉर्ड है और यह अब तक का तीसरा सबसे ऊंचा महिला हाई जंप रिकॉर्ड है। ब्लैंका व्लासिक ने कहा, एक ऐसे इवेंट से जुड़ना जो हजारों लोगों को दौड़ने के जरिए एक साथ लाता है, प्रेरणा और ऊर्जा देने वाला है। दौड़ना एक ऐसा खेल है जो हमें

शारीरिक रूप से सक्रिय और मानसिक रूप से मजबूत रखता है। यह एथलेटिक्स कम्युनिटी को बनाने में अहम भूमिका निभाता रहता है। उन्होंने कहा, हर प्रतिभागी के लिए मेरा संदेश है कि अच्छी तैयारी करो, अपना बेस्ट दो और इस सफर को अपनाओ। मैं बेंगलुरु में सभी को देखने का इंतजार कर रही हूं। मैदान के बाहर, व्लासिक का स्पोर्ट्स से गहरा जुड़ाव बना हुआ है। वह 'चैंपियंस फॉर पीस' पहल से जुड़ी हैं और क्रोएशियाई ओलंपिक कमेटी की उपाध्यक्ष के तौर पर काम करती हैं, और खेल समुदाय का सहयोग करने और भविष्य के एथलीटों को तैयार करने में लगी हुई हैं। रेस के प्रमोटर, प्रोकैम इंटरनेशनल के संयुक्त एमडी विवेक सिंह ने कहा, हमें इस साल के वर्ल्ड 10के बेंगलुरु के लिए इंटरनेशनल इवेंट एंबेसडर के तौर पर ब्लैंका व्लासिक का स्वागत करते हुए खुशी हो रही है। उनकी असाधारण उपलब्धियां, और वैश्विक खेल समुदाय में उनका लगातार योगदान, उन्हें एक प्रेरणा देने वाली हस्ती बनाते हैं। हम उम्मीद करते हैं कि वह भारत में दौड़ने की भावना का जश्न मनाएगी और प्रतिभागियों और फैंस के लिए अनुभव को बेहतर बनाएगी।

मोहसिन नकवी दिन में दिख रहे तारे, कहा- आईपीएल को पीछे छोड़ देगी पीएसएल

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने दावा किया है कि पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) तेजी से विकसित हो रही है। आने वाले समय में यह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) को टक्कर देगी और दुनिया की सबसे बड़ी टी20 लीग बन सकती है। नकवी ने यह बयान ऐसे समय में दिया है जब पीएसएल का 11वां सीजन अफगानिस्तान के साथ तनाव की वजह से सिर्फ दो वेन्यू पर खेला जा रहा है, जबकि आईपीएल का आयोजन बिना किसी भी रुकावट तय शेड्यूल के मुताबिक हो रहा है। पीसीबी बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की बैठक में नकवी ने कहा कि पीएसएल में निवेशकों की बढ़ती दिलचस्पी इसकी तेजी से बढ़ती लोकप्रियता और ग्रोथ को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि पीएसएल अब निवेश के लिए सबसे आकर्षक मार्केट बन गया है। वह समय दूर नहीं जब पीएसएल दुनिया की नंबर वन लीग बन जाएगी।

नकवी ने कहा कि पीएसएल 2026 के फ्रेंचाइजी से जुड़े प्रक्रिया में मजबूत भागीदारी पाकिस्तान के क्रिकेट इकोसिस्टम में भरोसे की बढ़ती स्थिति को दिखाती है। मोहसिन नकवी ने बेशक भविष्य में पीएसएल के आईपीएल के समकक्ष आने की संभावना जताई है, लेकिन वास्तविकता में पीएसएल और आईपीएल में कोई तुलना नहीं है। पीएसएल में वही खिलाड़ी शामिल होते हैं जिन्हें आईपीएल का कॉन्ट्रैक्ट नहीं मिलता, कई खिलाड़ी पीएसएल का मिला हुआ कॉन्ट्रैक्ट भी छोड़कर आईपीएल में आ जाते हैं। इस साल दासुन शनाका, ब्लेसिंग मुजरबानी ने ऐसा ही किया है। इसकी वजह आईपीएल में मिलने वाला पैसा है जो आईपीएल से कई गुणा ज्यादा है। इसके अलावा आईपीएल क्रिकेट के स्तर में, फैन इंगेजमेंट में, ब्रॉडकास्टिंग राइट्स के मामले में, प्रसारण क्वालिटी के मामले में पीएसएल से बहुत आगे है। पीएसएल को ढंग के ब्रॉडकास्टर भी नहीं मिल पाते। आईपीएल के मीडिया राइट्स की कीमत लगभग 6 बिलियन डॉलर है, जबकि पीएसएल की कीमत लगभग 93 मिलियन डॉलर है। आईपीएल का सालाना राजस्व 1 बिलियन डॉलर से अधिक है, जबकि पीएसएल का करीब 60 मिलियन डॉलर है। वर्ल्ड क्रिकेटर्स एसोसिएशन की हालिया रैंकिंग में पीएसएल मौजूदा समय में खेली जाने वाली लीग में 48 अंक के साथ पांचवें स्थान पर है, जबकि आईपीएल 62.2 अंक के साथ तीसरे स्थान पर है। द हंड्रेड (75.2) और एसए 20 (68) क्रमशः पहले और दूसरे स्थान पर हैं। आईपीएल और पीएसएल के बीच मौजूदा समय में जमीन आसमान का अंतर है। इसके बावजूद मोहसिन नकवी का आईपीएल को पीछे छोड़ने वाला बयान दिन में तारे देखने के समान है।

सीएम हेल्पलाइन में अपेक्षित गति लायें : कलेक्टर

डी श्रेणी में रहे विभागों के अधिकारियों को वेतन कटौती की नोटिस

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने सोमवार को संपन्न समय-सीमा प्रकरणों की बैठक में सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा के दौरान सी और डी श्रेणी में रहे विभागों को शिकायतों के निराकरण के कार्य में अपेक्षित गति लाने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कमजोर प्रगति वाले डी श्रेणी में रहे विभागों के अधिकारियों को एक सप्ताह की वेतन काटने नोटिस भी जारी करने के निर्देश दिये है। इस मौके पर आयुक्त नगर निगम शेर सिंह मीना, सीईओ जिला पंचायत शैलेन्द्र सिंह, अपर कलेक्टर विकास सिंह, एसडीएम महिपाल सिंह गुर्जर, अनिकेत शांडिल्य, सुमेश द्विवेदी, एलआर जांगडे सहित विभाग प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे। समय-सीमा प्रकरणों की बैठक में कलेक्टर ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की शिकायतों में सुधार नहीं पाये जाने पर कार्यपालन यंत्री, सहायक यंत्री और उपयंत्री को तीन दिवस में सुधार लाने की नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि तीन दिवस के भीतर सुधार नहीं दिखता है तो एक हफ्ते की वेतन काटी जायेगी। खाद्य विभाग की बड़ी मात्रा में लंबित शिकायतों के दृष्टिगत जिला आपूर्ति अधिकारी सम्यक जैन को नोटिस जारी करने तथा सहायक आपूर्ति अधिकारी भागवत प्रसाद द्विवेदी, उचेहरा के कनिष्ट आपूर्ति अधिकारी धर्मेन्द्र, मझगवां के कनिष्ट आपूर्ति अधिकारी अभिषेक उपाध्याय, सोहावल के बृजेश पाण्डेय और नागौद की प्रभा की एक हफ्ते की वेतन काटने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन पूरे जिले की शिकायतों में से एक चौथाई 2700 शिकायतें केवल लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी और खाद्य विभाग की लंबित है। उन्होंने सीएम हेल्पलाइन में कमजोर प्रगति होने पर उचेहरा और नागौद विकासखण्ड के बीएमओ,बीपीएम तथा बीसीएम को नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। इसी प्रकार ऊर्जा विभाग में डी श्रेणी में शामिल सभी अधिकारियों को नोटिस जारी करने तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के डी श्रेणी में शामिल नागौद, रामपुर बघेलान और मझगवां के सीईओ जनपद पंचायत को नोटिस जारी करने के निर्देश दिये कलेक्टर ने जिले में चल रहे एचपीवी टीकाकरण अभियान के कार्य की भी समीक्षा की उन्होंने सभी एसडीएम को टीकाकरण की निरंतर निगरानी करने के निर्देश दिये उन्होंने कहा कि जिन संस्थाओं में दर्ज बालिकाओं के 100 प्रतिशत टीकाकरण हो गया है। उन्हें प्रशंसा पत्र प्रदान करें तथा जिन्होंने टीकाकरण कार्य में ठीक कार्य नहीं किया है उन्हें नोटिस जारी करें कलेक्टर ने कहा कि एचपीवी टीकाकरण अभियान में स्वास्थ्य विभाग के बीसीएम और बीपीएम के माध्यम से एएनएम, सीएचओ तथा आशा कार्यकर्ताओं को ग्राउण्ड लेवल पर सक्रिय कराये। इसी प्रकार महिला बाल विकास के सीडीपीओ और सुपरवाइजर तथा शालाओं के प्राचार्य तथा संकुल शिक्षक की भी अभियान में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने उपार्जन की तैयारियों की समीक्षा, पेयजल की स्थिति और जल गंगा संवर्धन अभियान के कार्यो की भी जानकारी ली कलेक्टर ने कहा कि नया शैक्षणिक सत्र शुरू हो गया है जिले में सभी प्राइवेट स्कूलों को निर्देशित करें कि वे अनिवार्य रूप से पोर्टल में तीन बिन्दुओं फीस स्ट्रेक्चर किताबें और आडिट रिपोर्ट इन्ट्री करें। उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी और डीपीसी को निर्देशित किया कि जिले में कुल 826 प्राइवेट स्कूलों में से कितने स्कूलों ने अभी तक फीस स्ट्रेक्टचर, किताबें और आडिट रिपोर्ट पोर्टल में आनलाइन की है इसकी रिपोर्ट प्रस्तुत करें उन्होंने कहा कि यह भी देखें कि इन प्राइवेट स्कूलों ने गत वर्ष की रिपोर्ट प्रस्तुत की है अथवा नहीं। कलेक्टर ने ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल की सुगम और सुचारू उपलब्धता के लिए सीईओ जिला पंचायत को आवश्यक कार्यवाही के लिए निर्देशित किया।

अक्षय तृतीया से पहले सभी जिलों में कंट्रोल रूम और उड़न दस्ते बनाने के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। अक्षय तृतीया के अवसर पर होने वाले सामूहिक विवाह में बाल विवाहों को रोकने के लिए राज्य सरकार ने विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। सचिव महिला एवं बाल विकास जीवी रश्मि ने सभी कलेक्टरों को पत्र लिखकर बाल विवाह रोकथाम के लिए व्यापक अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा संचालित बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत प्रदेश में बाल विवाह की घटनाओं को शून्य करने और किशोरियों के सशक्तिकरण के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे के आंकड़ों के अनुसार प्रदेश में बाल विवाह के मामलों में कमी आई है, लेकिन कुछ जिलों में अभी भी यह समस्या बनी हुई है। अक्षय तृतीया इस वर्ष 20 अप्रैल 2026 को है और इस दिन प्रदेश में बड़ी संख्या में सामूहिक विवाह आयोजित होते हैं। ऐसे आयोजनों में बाल विवाह होने की संभावना को देखते हुए प्रशासन को विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं निर्देशानुसार स्कूलों और कॉलेजों में विद्यार्थियों को बाल विवाह के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया जाएगा 20 अप्रैल को ग्रामीण और नगरीय क्षेत्रों में पंच, सरपंच, सचिव और पार्षद बाल विवाह नहीं होने देने की शपथ लेंगे तथा पंचायत और वार्ड कार्यालयों में इसका प्रचार-प्रसार किया जाएगा इसके अलावा स्कूलों और आंगनबाड़ी के बच्चों की जागरूकता रैलियां भी निकाली जाएंगी गांवों में स्व-सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा समूह चर्चा आयोजित कर परिवारों को बाल विवाह न करने के लिए प्रेरित किया जाएगा। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, आशा कार्यकर्ता, ग्राम कोटवार और पंचायत सचिव की मदद से 18 वर्ष से कम उम्र की किशोरियों की सूची तैयार कर संबंधित परिवारों को समझाइश दी जाएगी तथा उन पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। बाल विवाह की सूचना देने के लिए हेल्पलाइन नंबर 181, 1098 और 112 का व्यापक प्रचार करने के निर्देश दिए हैं।

भारतीय जनता पार्टी के 47वें स्थापना दिवस पर महापौर ने झंडा लगाया

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। भारतीय जनता पार्टी (भा.ज.पा.) का 47वां स्थापना दिवस मनाया गया, इस अवसर पर महापौर योगेश कुमार ताम्रकार ने अपने निज निवास रामेश्वरम में पार्टी का झंडा फहराया। यह झंडा केवल एक प्रतीक नहीं, बल्कि राष्ट्र प्रथम की उस अटूट भावना का प्रतीक है, जिसने भाजपा के करोड़ों कार्यकर्ताओं के समर्पण, संघर्ष और सेवा से देश को नई दिशा दी है। भा.ज.पा. के स्थापना दिवस पर आयोजित इस कार्यक्रम में महापौर ने पार्टी की विचारधारा और सिद्धांतों की महत्ता को रेखांकित किया। उन्होंने कहा, 'भा.ज.पा. का हर कार्यकर्ता राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानते हुए जनसेवा के पथ पर निरंतर अग्रसर है। पार्टी के इस स्थापना दिवस पर हम सभी संकल्प लें कि हम एक समृद्ध और सशक्त भारत के निर्माण में अपनी पूरी ऊर्जा और निष्ठा के साथ काम करेंगे। 'महापौर ने पार्टी की ओर से किये गए विकास कार्यों की भी सराहना की और कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने हमेशा समाज के अंतिम पंक्ति तक पहुंचने का प्रयास किया है। यही कारण है कि आज पार्टी एक ताकतवर राजनीतिक संगठन बन चुकी है, जो न केवल देश के विभिन्न हिस्सों में, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी पहचान बना चुकी है। महापौर ने भाजपा के कार्यकर्ताओं को बधाई देते हुए कहा कि पार्टी के सभी कार्यकर्ता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, राष्ट्र की सेवा में तत्पर हैं यह संकल्प हमें हमेशा प्रेरित करता रहेगा, ताकि हम एक सशक्त समृद्ध और विकासशील भारत का निर्माण कर सकें। पार्टी के इस स्थापना दिवस पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने उत्साह के साथ इस ऐतिहासिक दिन को मनाया और भविष्य में और अधिक समर्पण के साथ राष्ट्र सेवा में अपनी भूमिका निभाने का संकल्प लिया।

भाजपा के कार्यक्रम में नपा अध्यक्ष की अनदेखी, आमंत्रण पत्र से गायब नाम पर उठे सवाल

मीडिया ऑडीटर, मैहर, (निप्र)। भारतीय जनता पार्टी (भा.ज.पा.) द्वारा आयोजित जिला कार्यालय भूमिपूजन जैसे महत्वपूर्ण कार्यक्रम में एक चौंकाने वाली चूक सामने आई है। कार्यक्रम के आधिकारिक आमंत्रण पत्र में जहां प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, सांसद गणेश सिंह, विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी और अन्य कई बड़े नेताओं के नाम प्रमुखता से दर्ज हैं, वहीं मैहर नगर पालिका अध्यक्ष गीता संतोष सोनी का नाम पूरी तरह से नदारद है यह मामला सामने आते ही स्थानीय राजनीतिक गलियारों में हलचल मच गई है। अब सवाल उठ रहे हैं कि आखिर इसका क्या कारण हो सकता है? क्या यह भाजपा के भीतर चल रही अंदरूनी राजनीति का संकेत है, या फिर यह एक साधारण चूक थीस्थानीय लोगों और भाजपा कार्यकर्ताओं का कहना है कि नगर पालिका अध्यक्ष गीता संतोष सोनी, जो शहर की प्रथम नागरिक हैं, इस तरह के महत्वपूर्ण कार्यक्रम में शामिल नहीं हो पाईं और उनका नाम आमंत्रण पत्र से गायब हो गया, यह न केवल प्रोटोकॉल के खिलाफ है, बल्कि यह एक खुली उपेक्षा भी दर्शाता है। इस मुद्दे ने राजनीति में विभिन्न कयासों को जन्म दिया है, और अब सबकी नजर इस पर टिकी है कि पार्टी नेतृत्व इस अनदेखी पर क्या सफाई देता है साथ ही, भाजपा के स्थानीय कार्यकर्ताओं का मानना है कि यह किसी प्रकार की अंदरूनी राजनीति का परिणाम हो सकता है, और ऐसे कार्यक्रमों में सभी नेताओं को समान सम्मान मिलना चाहिए। अब देखना यह है कि पार्टी नेतृत्व इस मुद्दे पर क्या कदम उठाता है।

बरहिया पंचायत में 12 लाख का सामुदायिक भवन भ्रष्टाचार की भेंट, निर्माण में डस्ट का इस्तेमाल

मीडिया ऑडीटर, मैहर, (निप्र)। मैहर जनपद की बरहिया ग्राम पंचायत में लगभग 12 लाख रुपये की लागत से बन रहे सामुदायिक भवन निर्माण कार्य में गंभीर अनियमितताओं और भ्रष्टाचार के आरोप लगे हैं। स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि इस निर्माण कार्य में मानक के अनुसार रेत (रेता) के बजाय डस्ट का उपयोग किया जा रहा है, जिससे निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल उठने लगे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि जब से यह जानकारी सामने आई है, तब से इस निर्माण कार्य के प्रति उनकी चिंताएं और बढ़ गई हैं। ग्रामीणों के अनुसार, अब जब भवन की छत की ढलाई की तैयारी हो रही है तो यह लापरवाही और भी गंभीर हो गई है। उन्हें डर है कि यदि इस तरह की लापरवाही जारी रही तो निर्माण कार्य के पूरा होने पर भवन की मजबूती पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। उन्हें आशंका है कि डस्ट के इस्तेमाल से भवन की दीवारें और छत कमजोर हो सकती हैं, जो आने वाले समय में दुर्घटनाओं का कारण बन सकती हैं। इस मामले में जनपद पंचायत मैहर के उप यंत्री पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि उप यंत्री की लापरवाही और निगरानी में कमी के कारण ही इस तरह की अनियमितताएं सामने आई हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि उप यंत्री ने सही तरीके से निर्माण कार्य का निरीक्षण नहीं किया, जिसके परिणामस्वरूप मानकों की अनदेखी हुई है वहीं, मजदूरी भुगतान में भी गड़बड़ी सामने आई है जानकारी के अनुसार 'जमुना' नाम से एक ही महीने में दो-दो बार भुगतान किया गया है। जब भुगतान की जानकारी मिली तो यह पाया गया कि मजदूरों के नाम, भुगतान राशि और विवरण में समानता है, जिससे फर्जी भुगतान की आशंका जताई जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि मजदूरों के नाम पर निकाली गई राशि एक बड़े घोटाले की ओर इशारा करती है।

जिले के प्रभारी मंत्री कैलाश विजयवर्गीय 8 अप्रैल को सतना में होंगे, विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। प्रदेश के नगरीय विकास एवं जिले के प्रभारी मंत्रीकैलाश विजयवर्गीय 8 अप्रैल, बुधवार को सतना दौरे पर आएंगे, जहां वह विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेंगे। मंत्रीविजयवर्गीय 8 अप्रैल को सुबह 9.30 बजे मैहर से चलकर 10.00 बजे सतना पहुंचेंगे। वह पहले आदित्य इंजीनियरिंग कॉलेज के पास जिगनहट में नगर निगम सतना के नवीन एनीकेट का भूमिपूजन करेंगे। इसके बाद, वह सुबह 11.30 बजे उमा रिसोर्ट पहुंचेंगे, जहां भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित सक्रिय कार्यकर्ता सम्मेलन में हिस्सा लेंगे उमा रिसोर्ट में आयोजित कार्यक्रम के पश्चात,विजयवर्गीय चित्रकूट विधानसभा क्षेत्र के जैतवारा जाएंगे, जहां वह दोपहर 2.30 बजे नवीन नगर पंचायत भवन का लोकार्पण करेंगे। जैतवारा से लौटने के बाद,विजयवर्गीय शाम 4 बजे सतना पहुंचेंगे और कुछ देर रुकने के पश्चात सड़क मार्ग से जबलपुर के लिए प्रस्थान करेंगे। यह कार्यक्रम जिले के विकास के लिए महत्वपूर्ण साबित होंगे, और प्रभारी मंत्री द्वारा किए गए भूमिपूजन एवं लोकार्पण कार्यों से क्षेत्रवासियों को कई नई सुविधाओं का लाभ मिलेगा।

मैहर जिले में भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी कार्यालय का शुभारंभ, राज्यमंत्री राधा सिंह ने किया उद्घाटन

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। मध्यप्रदेश शासन की पंचायत और ग्रामीण विकास राज्यमंत्री तथा मैहर जिले की प्रभारी मंत्री राधा सिंह ने सोमवार को मैहर जिले के सिविल अस्पताल परिसर में भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी के कार्यालय का उद्घाटन किया। इस अवसर पर विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी, कलेक्टर रानी बाटड, पुलिस अधीक्षक अवधेश प्रताप सिंह समेत कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

राज्यमंत्री राधा सिंह ने फीता काटकर कार्यालय का उद्घाटन किया और भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी के कार्यों की सराहना की। उन्होंने इस संस्था द्वारा समाज के कमजोर वर्गों के लिए किए जा रहे कार्यों को महत्वपूर्ण बताया और कहा कि यह कार्यालय क्षेत्र के लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं, आपातकालीन सहायता, और अन्य सामाजिक कार्यों में मदद प्रदान करेगा। उन्होंने स्थानीय प्रशासन से अपील की कि रेड क्रॉस सोसायटी के कार्यों में सहयोग करें और इसका अधिकतम लाभ लोगों तक पहुंचे। विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी ने भी इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि इस कार्यालय के खुलने से क्षेत्र में समाजसेवा के कार्यों को गति मिलेगी और जरूरतमंदों को मदद मिल सकेगी। कलेक्टर रानी बाटड और पुलिस अधीक्षक अवधेश प्रताप सिंह ने भी इस पहल को क्षेत्र के विकास में अहम कदम बताया। भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी के इस कार्यालय के उद्घाटन से क्षेत्रवासियों में उत्साह और सकारात्मक बदलाव की उम्मीद जगी है।

आगामी ग्रीष्मकाल में ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करें : प्रभारी मंत्री

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। मध्यप्रदेश शासन की पंचायत एवं ग्रामीण विकास राज्यमंत्री तथा मैहर जिले की प्रभारी मंत्री राधा सिंह ने सोमवार को मैहर प्रवास के दौरान सर्किट हाउस में जल निगम और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की समीक्षा बैठक लेकर विभागीय कार्यों की समीक्षा की। बैठक में जिले में पेयजल आपूर्ति की स्थिति, जल स्त्रोतों के संरक्षण, निर्माणाधीन योजनाओं की प्रगति तथा आमजन को निर्बाध जल उपलब्धता सुनिश्चित करने जैसे मुद्दों पर चर्चा की। बैठक में विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी, कलेक्टर रानी बाटड, पुलिस अधीक्षक अवधेश प्रताप सिंह सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। प्रभारी मंत्री राधा सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिले के प्रत्येक ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में स्वच्छ एवं पर्याप्त पेयजल उपलब्धता सुनिश्चित करना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन सहित अन्य योजनाओं के अंतर्गत संचालित कार्यों में गुणवत्ता और समय-सीमा का कड़ाई से पालन किया जाए। किसी भी स्तर पर लापरवाही पाए जाने पर सख्त कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने विशेष रूप से खराब हैंडपंपों की त्वरित मरम्मत नई पाइपलाइन विस्तार जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं पुनर्भरण कार्यों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। साथ ही अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया कि वे नियमित रूप से फील्ड में जाकर कार्यों का निरीक्षण करें और योजनाओं की वास्तविक स्थिति का आकलन करें। प्रभारी मंत्री ने कहा कि जल निगम और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारी ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर पेयजल समस्या मूलक गांव का चिन्हांकन करें तथा कार्ययोजना बनाकर आगामी ग्रीष्मकाल में पेयजल की सुचारू उपलब्धता सुनिश्चित करें।

मैहर में नए भाजपा कार्यालय का भूमिपूजन : रनामपुर में सरकारी आईटीआई कॉलेज के सामने बनेगा, इसमें कार्यकर्ता रूक सकेंगे

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। भारतीय जनता पार्टी ने अपने 47वें स्थापना दिवस के मौके पर मैहर में नए जिला कार्यालय की नींव रखी है। यह कार्यक्रम मध्य प्रदेश के उन 17 जिलों का हिस्सा था, जहां एक साथ पार्टी दफ्तरों के निर्माण का काम शुरू किया गया है। मैहर के हरनामपुर में सरकारी आईटीआई कॉलेज के सामने इस नए कार्यालय का भूमिपूजन किया गया। भोपाल के दीनदयाल परिसर से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल और संगठन महामंत्री अजय जामवाल दोपहर करीब 12 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए इस कार्यक्रम से जुड़े। मुख्यमंत्री ने मैहर सहित सभी 17 जिलों के कार्यकर्ताओं को इस नई शुरुआत के लिए बधाई दी और उनके उत्साह को सराहा। आधुनिक सुविधाओं से लैस होगा नया दफ्तर मैहर का यह नया भाजपा जिला कार्यालय काफी आधुनिक बनाया जाएगा। इसमें बड़ी बैठकों के लिए हॉल, हाई-टेक आईटी सेल और दूर-दराज से आने वाले कार्यकर्ताओं के ठहरने के लिए विश्राम कक्ष जैसी सुविधाएं तैयार की जाएंगी। नेताओं का कहना है कि इस कार्यालय के बनने से संगठन के काम और पार्टी की गतिविधियों में और तेजी आएगी। कई नेताओं की मौजूदगी में हुआ पूजन हरनामपुर में आयोजित इस कार्यक्रम में जिले के कई बड़े चेहरे शामिल हुए। प्रभारी मंत्री राधा सिंह, बड़ा अखाड़ा के संत सीतावल्लभ शरण जी महाराज, सांसद गणेश सिंह और मैहर विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी ने भूमिपूजन की रस्में पूरी कीं। इस दौरान भाजपा जिला अध्यक्ष कमलेश सुहाने, जिला प्रभारी नंदिता पाठक और पूर्व मंत्री रामखेलावन पटेल सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जल संरक्षण को लेकर जल गंगा संवर्धन अभियान 30 जून तक चलेगा अभियान

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। वर्ष 2026 में जल संरक्षण और संवर्धन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जल गंगा संवर्धन अभियान का आयोजन 30 मार्च से 30 जून 2026 तक किया जाएगा। इस संबंध में मध्यप्रदेश शासन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग भोपाल द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के तहत जिले में व्यापक स्तर पर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने बताया कि अभियान के दौरान जल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए विभिन्न माध्यमों से प्रचार-प्रसार किया जाएगा। इसके अंतर्गत ब्रोशर ऑडियो जिंगल वीडियो, रील्स और इन्फोग्राफिक्स तैयार कर प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक एवं सोशल मीडिया के जरिए लोगों तक पहुंचाया जाएगा। इसके अलावा अभियान से जुड़ी खबरें विशेष आलेख, उपलब्धियां नवाचार और सफलता की कहानियां भी विभिन्न मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रकाशित और प्रसारित की जाएंगी। रेलवे स्टेशन, प्रमुख सार्वजनिक स्थलों और जल स्त्रोतों के आसपास डिजिटल वॉल पेंटिंग एवं स्पॉट ब्रांडिंग के माध्यम से भी लोगों को जागरूक किया जाएगा। प्रशासन द्वारा अभियान की कार्ययोजना, क्रियान्वयन और मॉनिटरिंग पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित हो सके।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।